जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, बुधवार 10 जून, 2026

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

नीति आयोग की नई रिपोर्ट चेतावनी व अवसर दोनों

नीति आयोग ने 'भारत में अनुसंधान एवं विकास की सुगमता' पर अपनी रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उसने देश में अनुसंधान एवं विकास के इकोसिस्टम को प्रभावित करने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान करते हुए गहरी संरचनात्मक, वित्तीय और प्रशासनिक चुनौतियों को उजागर किया है तथा नवाचार-आधारित विकास के लिए एक स्पष्ट रोडमैप भी प्रस्तुत किया है। यह रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत ने भले ही बेहतर प्रदर्शन करते हुए 38वां स्थान हासिल कर लिया हो, लेकिन अनुसंधान एवं विकास पर देश का सकल व्यय पिछले दो दशकों से सकल घरेलू उत्पाद के 0.64 से 0.65 प्रतिशत के बीच स्थिर बना हुआ है। नीति आयोग की यह रिपोर्ट केवल बजट की कमी की पुरानी शिकायत नहीं दोहराती, बल्कि पहली बार उन प्रशासनिक और नियामक बाधाओं को रेखांकित करती है, जो सीधे तौर पर देश में अनुसंधान का माहौल न बनने का मुख्य कारण है। केंद्र सरकार ने हाल हीमें नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए उसमें पारंपरिक अर्थशास्त्रियों के स्थान पर विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञों को भी शामिल किया था। ऐसा करके संकेत दिया गया था कि शासन अब वैज्ञानिक नीतियों को लेकर गंभीर है। इसी बदलाव का नतीजा है यह ईमानदार रिपोर्ट है, जिसकी सबसे व्यावहारिक और साहसिक अंतर्दृष्टि यह है कि उसने अनुसंधान एवं विकास संकट के लिये प्रमुख रूप से प्रशासनिक जटिलताओं को स्वीकार किया है। भारत में प्रति दस लाख आबादी पर पूर्णकालिक शोधकर्ताओं की संख्या केवल 262 है, जबकि अमेरिका में यह 4,821 और चीन में 1,585 है। इस प्रकार भारत में युवा प्रतिभाओं का विशाल भंडार होने के बावजूद, शोधकर्ताओं का कुल घनत्व कम बना हुआ है। यह अंतर विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हमारे मानव संसाधन की गंभीर कमी को दर्शाता है। इसके अलावा अनुसंधान का यह संकट राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और संस्थानों में और भी अधिक गहरा है। केंद्रीय संस्थानों की तुलना में राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों के पास न तो आधुनिक बुनियादी ढांचा है और न ही पर्याप्त बजटीय आवंटन। राज्य स्तर के शिक्षकों का अधिकांश समय शैक्षणिक कामों और प्रशासनिक नियमों के अनुपालन में ही लग जाता है, जिससे उनके पास नवाचार के लिए समय ही नहीं बचता। उच्च शिक्षा का पोस्टडॉक्टोरल तंत्र अविकसित है, जिससे अनुसंधान की निरंतरता और गहराई पर असर पड़ता है। फेलोशिप के वितरण में देरी, भर्ती की कठोर प्रक्रियाएं, और सार्वजनिक संस्थानों में बड़ी संख्या में खाली पद अनुसंधान की नींव को और भी कमजोर करते हैं।

यह रिपोर्ट सही इंगित करती है कि भारत के अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र की सबसे बड़ी कमजोरी इसका सरकार पर अत्यधिक निर्भर होना है। वैश्विक स्तर पर जहां विकसित और शीर्ष नवाचारी अर्थव्यवस्थाओं में अनुसंधान एवं विकास बजट का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र से आता है, वहीं भारत में इसका उल्टा है। भारत में अनुसंधान व्यय का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा सार्वजनिक क्षेत्र से आता है। जब सार्वजनिक से पैसा आता हो तब साथ में सरकारी तौर तरीके आएंगे ही। रिपोर्ट रेखांकित करती है कि भारतीय वैज्ञानिकों की असफलता उनकी प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था की कमजोरी तथा लालफीताशाही है। रिपोर्ट वे प्रमुख प्रशासनिक रोड़े भी गिनाती है जिन पर सरकारें आम तौर पर आंख मूंदे रहती हैं। सरकारी व्यवस्था में जब अनुदान स्वीकृतियां मिलने का प्रतिशत दस से भी कम हो, तब शोधकर्ताओं में उत्साह का माहौल होने की कैसे आशा की जा सकती है। इसके अलावा स्वीकृत परियोजनाओं को भी राशि जारी होने में महीनों लग जाते हैं। केंद्रीयकृत ट्रेजरी सिंगल अकाउंट मॉडल और वित्तीय वर्ष के अंत में लागू यूज़ इट या लूज़ इट (बजट का उपयोग न होने पर लैप्स होना) की नीति वैज्ञानिक निरंतरता को बाधित करती है। भारत में अनुसंधान के मामले में निजी निवेश क्यों कम है इस पर भी नीति आयोग की रिपोर्ट खुल कर बात करती है। वह कहती है कि देश में निजी निवेश की इस कमी के पीछे सरकार की जटिल कर नीतियां, पेटेंट व्यावसायीकरण के लिए प्रोत्साहनों का अभाव और अकादमिक संस्थानों के साथ कमजोर संबंध मुख्य वजहें हैं। और यह तंत्र उच्च-गुणवत्ता वाली मानव पूंजी को आकर्षित करने और उसे बनाए रखने में मुश्किलों

देश को नियंत्रण और अनुपालन की औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालकर जब तक हम अपने वैज्ञानिकों को वित्तीय फाइलों और ऑडिटिंग के मकड़जाल से मुक्त नहीं करेंगे, तब तक हमारा वैश्विक नेतृत्व का सपना अधूरा ही रहेगा। इस रिपोर्ट को बिना किसी देरी के लागू करना भारत की वैज्ञानिक संप्रभुता और आर्थिक समृद्धि की दिशा में उठाया गया सबसे बड़ा कदम साबित हो सकता है।

से झूंझता है। मानव संसाधनों से जुड़ी चुनौतियां भी कम नहीं हैं, जो किसी भी अनुसंधान तंत्र की रीढ़ होती हैं। साथ ही, अनुसंधान एवं विकास में करियर के रास्ते अनिश्चित हैं और वे अक्सर कम आकर्षक बने हुए हैं-विशेष रूप से निजी क्षेत्र और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में। जब काम के अवसर कम होंगे तब अनुसंधान की उत्पादकता की बात ही बेमानी हो जाती है। अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में करियर बनाने तथा उससे दीर्घकालिक जुड़ाव को बढ़ावा देने का कोई प्रयत्न नहीं नज़र आता है। सरकारी क्षेत्र पर निर्भरता के कारण निर्णय लेने की प्रक्रियाएं अक्सर अत्यधिक केंद्रीकृत होती हैं, जिनमें ज्यादातर निर्णय लेने की शक्तियों का हस्तांतरण सीमित होता है, जिससे नियमित कार्य धीमे हो जाते हैं और संस्थागत कार्यकुशलता कम हो जाती है। व्यापक स्तर पर नेतृत्व की जवाबदेही नज़र नहीं आती है। दूसरी तरफ अनुसंधान क्षेत्रों की रणनीतिक प्राथमिकता और संस्थागत प्रणालियों तथा प्रक्रियाओं के समय-समय पर स्व-मूल्यांकन पर बहुत कम ज़ोर दिया जाता है। इससे ठोस नवाचारों की क्षमता और भी सीमित हो जाती है। मानकीकृत दिशानिर्देशों और स्पष्ट संचालन प्रक्रियाओं की कमी के कारण अनुमोदन, खरीद और परियोजना प्रबंधन में विसंगतियां खड़ी होती हैं और देरी होती है।

इस गतिरोध को तोड़ने के लिए नीति आयोग ने एक व्यापक पांच सूत्रीय ढांचा पेश किया है, जिसका आशय अनुसंधान करने में आसानी के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करना और उसे मदद देने वाले कारकों को बढ़ावा देना। नीति आयोग ने भारत को स्टार्टअप नेशन और नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने के लिए वैश्विक सफलताओं का अनुकरण करने की सलाह दी है। जैसे दक्षिण कोरिया का मॉडल जिसके कारण आज वहां का निजी क्षेत्र कुल अनुसंधान व्यय में 80 प्रतिशत का योगदान देता है। इज़राइल सरकार ने उच्च-तकनीकी स्टार्टअप्स में निजी उद्यम पूंजीपतियों (वेंचर केपिटलिस्ट्स)के साथ मिलकर सह-निवेश किया, जिसने देश के शुरुआती चरण के फंडिंग संकट को दूर करने में मदद की। अमेरिका की रक्षा उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी पूर्ण प्रशासनिक स्वायत्तता, लचीली नियुक्तियों और परिणाम-उन्मुख लक्ष्यों के साथ काम करती है, जो नौकरशाही से मुक्त है। नीति आयोग की राय है कि भारत को भी अपने राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन और विज्ञान मंत्रालयों के भीतर इसी तरह की मिशन-मोड और लचीली संरचनाओं को अपनाना चाहिए। कई संस्थाओं में, समर्पित और पेशेवर रूप से प्रबंधित संस्थागत संरचनाएं और आंतरिक प्रक्रियाएं भी चिंता के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरती हैं। परिणामस्वरूप प्रशासनिक प्रणालियां परेशान करने वाली बन जाती है, जिससे शोधकर्ताओं पर गैर-वैज्ञानिक कार्यों को संभालने का काफी बोझ पड़ जाता है। मानकीकृत दिशानिर्देशों और स्पष्ट संचालन प्रक्रियाओं की कमी के कारण अनुमोदन, खरीद और परियोजना प्रबंधन में विसंगतियां और देरी होती है। ज्ञान के सृजन और उसे उत्पादों और तकनीकों में बदलने के बीच का अंतर भी एक और बड़ी चुनौती बना हुआ है। जहां भारत प्रकाशनों और पेटेंट के मामले में मज़बूत स्थिति में है, वहीं इन परिणामों को व्यावसायिक रूप से सफल समाधानों में बदलने का काम अपेक्षाकृत कमज़ोर बना हुआ है। इस स्थिति के कई कारण हैं, जिनमें अप्रभावी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तंत्र, बौद्धिक संपदा प्रबंधन में स्पष्टता की कमी, और प्रोटोटाइपिंग तथा सत्यापन के बुनियादी ढांचे तक सीमित पहुंच शामिल हैं। वित्तीय और नीतिगत बाधाओं में वित्तपोषण की सीमित उपलब्धता और हतोत्साहित करने वाले कराधान जैसे कारक शामिल हैं, जो अनुसंधान के व्यावसायीकरण को और भी बाधित करती हैं। परिणामस्वरूप, अनुसंधान परिणामों का एक बड़ा हिस्सा प्रयोगशाला चरण से आगे नहीं बढ़ पाता है। नीति आयोग की रिपोर्ट ज्ञान और अनुसंधान संसाधनों तक पहुंच को एक बड़ी बाधा मानती है, विशेष रूप से शीर्ष श्रेणी से इतर संस्थानों के लिए।

रिपोर्ट कहती है कि जहां प्रमुख संस्थानों के पास वैज्ञानिक डेटाबेस, पत्रिकाओं और उन्नत बुनियादी ढांचे तक अपेक्षाकृत बेहतर पहुंच हो सकती है, वहीं बड़ी संख्या में विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों-विशेषकर राज्य स्तर पर या निजी क्षेत्र के संस्थानों-को इन आवश्यक संसाधनों तक पहुंचने में सीमाओं का सामना करना पड़ता है। वैज्ञानिक पत्रिकाओं की सदस्यता की उच्च लागत, साझा बुनियादी ढांचे की सीमित उपलब्धता, और पहुंच के कमजोर तंत्र संस्थानों के बीच अनुसंधान क्षमताओं में असमानताएं पैदा करते हैं। देश के रिसर्च बेस को बढ़ाने में राज्य संस्थानों की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए यह रिपोर्ट उनकी चुनौतियों पर विशेष ध्यान देने की सलाह देती है, जिससे प्रक्रियागत बाधाएं दूर हों तथा रिसर्च तथा नवाचार के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बन सके। इस रिपोर्ट में बताई गई ढांचागत और व्यवस्थागत रुकावटों को दूर करके, भारत अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा की पूरी क्षमता का इस्तेमाल कर सकता है, ज्ञान को असरदार नतीजों में बदलने की प्रक्रिया को तेज़ कर सकता है। यह रिपोर्ट भारतीय विज्ञान जगत के लिए एक समयोचित चेतावनी और अवसर दोनों है। देश को नियंत्रण और अनुपालन की औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालकर जब तक हम अपने वैज्ञानिकों को वित्तीय फाइलों और ऑडिटिंग के मकड़जाल से मुक्त नहीं करेंगे, तब तक हमारा वैश्विक नेतृत्व का सपना अधूरा ही रहेगा। इस रिपोर्ट को बिना किसी देरी के लागू करना भारत की वैज्ञानिक संप्रभुता और आर्थिक समृद्धि की दिशा में उठाया गया सबसे बड़ा कदम साबित हो सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

पैगम्बर साहब, इस्लाम, खलीफाओं और खिलाफत संस्था से जुड़ी कुछ सामान्य जानकारियां समझें

महावीर सिंह

शुरुआत करें इस सवाल से कि क्या पैगम्बर कभी येरुशलम गए थे? क्या रिश्ता है इस्लाम और येरुशलम का?

पैगम्बर मुहम्मद अपने जीवनकाल में कभी भौतिक रूप से मक्का से लगभग 1200 किलोमीटर दूर येरुशलम नहीं गए थे। इस्लामी मान्यता के अनुसार, ई 621 के आसपास अर्थात 632 ई में उनकी वफात के लगभग 11 वर्ष पहले, उन्होंने एक रात, अलबुरक नामक एक चमत्कारी वाहन में मक्का से येरुशलम की अल अक्सा तक की चमत्कारी आध्यात्मिक यात्रा की थी। इस्लाम में इस यात्रा को इशरा कहा जाता है। येरुशलम मक्का और मदीना के बाद इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र शहर माना जाता है। वहीं से पैगम्बर साहब स्वर्गारोहण (मेराज) पर गए और अल्लाह से निर्देश प्राप्त किए।

इस्लाम में मेराज उस चमत्कारी और आध्यात्मिक घटना को कहा जाता है, जिसमें पैगंबर मुहम्मद को अल्लाह ने भौतिक और रूहानी रूप से सातों आसमानों जन्नत, जहन्नुम आदि की सैर कराई थी। पूर्व के सभी पैगंबरों के मुलाकात करवाई। खुद अल्लाह से संवाद किया। इसी अवसर पर अल्लाह ने मुसलमानों के लिए दिन में 5 बार नमाज अता करना अनिवार्य हुआ।

वापस आकर अल्लाह के संदेश लोगों को सुनाए। आम आदमी मोटे रूप से यह समझ सकता है कि इस यात्रा के पहले प्राप्त संदेशों और मेराज यात्रा अल्लाह से आमने सामने प्राप्त इन्हीं संदेशों का समूह कुरान का सार है। इसी अलौकिक यात्रा के कारण येरुशलम इस्लाम में अत्यंत पूजनीय है। येरुशलम के पवित्र स्थल, जिसे हरम अल-शरीफ कहा जाता है, में दो प्रमुख संरचनाएं डोम ऑफ द रॉक (सोने के गुंबद वाली इमारत) और अल-अक्सा मस्जिद है। डोम ऑफ द रॉक उसी चट्टान के ऊपर बनाया गया है, जहाँ से पैगम्बर मुहम्मद के स्वर्ग यात्र पर जाने की मान्यता है। इस्लाम की शुरुआत में, पैगम्बर मुहम्मद और उनके अनुयायी नमाज़ अदा करते समय येरुशलम की दिशा की ओर मुख किया करते थे। बाद में, पैगम्बर को ईश्वर की ओर से मक्का में काबा की ओर मुख करने का निर्देश मिला।

पैगम्बर मुहम्मद के बाद, इस्लाम के दूसरे खलीफा हज़रत

येरुशलम के पवित्र स्थल, जिसे हरम अल-शरीफ कहा जाता है, में दो प्रमुख संरचनाएं डोम ऑफ द रॉक (सोने के गुंबद वाली इमारत) और अल-अक्सा मस्जिद है। डोम ऑफ द रॉक उसी चट्टान के ऊपर बनाया गया है, जहाँ से पैगम्बर मुहम्मद के स्वर्ग यात्र पर जाने की मान्यता है। इस्लाम में मेराज उस चमत्कारी और आध्यात्मिक घटना को कहा जाता है, जिसमें पैगंबर मुहम्मद को अल्लाह ने भौतिक और रूहानी रूप से सातों आसमानों जन्नत, जहन्नुम आदि की सैर कराई थी। पूर्व के सभी पैगंबरों के मुलाकात करवाई। खुद अल्लाह से संवाद किया। इसी अवसर पर अल्लाह ने मुसलमानों के लिए दिन में 5 बार नमाज अता करना अनिवार्य हुआ। पैगम्बर मुहम्मद के बाद, इस्लाम के दूसरे खलीफा हज़रत उमर इब्न अल-खत्ताब के समय में, 637 ईस्वी में मुसलमानों ने येरुशलम को अपने नियंत्रण में ले लिया। तब से शहर में गैर-मुसलमानों को सुरक्षा और धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान की गई।

""इतिहास में बार बार उल्लेखित खलीफाओं के संबंध में कुछ सामान्य बातें जानें"" मिस्त्र के मुमालिक शासकों के काल से पहले मुख्य खलीफा अब्बासी खलीफा थे।

इस्लामी इतिहास में खलीफा की मुख्य शृंखला इस प्रकार रही:-

राशिदून खलीफा अर्थात वे खलीफा जिनके बारे में यह माना जाता है कि वे सही मार्ग पर, अल्लाह के बताए मार्ग पर चलने वाले खलीफा थे। इनका अधिकतर बिरादरी में से चयन किया गया।यह समय 632 में पैगम्बर साहब की वफात से शुरू होकर 661 ई. तक का है अर्थात अत्यंत संक्षिप्त काल। हज़रत अबू बक्र सिद्दीक़ पहले खलीफा के बाद हज़रत उमर फ़ारूक़, हज़रत उस्मान ग़नी, हज़रत अली इब्न अबी तालिब चार राशिदून खलीफा हुए। इसके पश्चात 661-750 के काल तक उमय्यद खलीफा हुएं। 750 ई से 1258 ई तक बगदाद के अब्बासी खलीफा हुए। ये सबसे लंबे समय तक चले। 1258 में मंगोलों ने बगदाद को नष्ट कर दिया और आखिरी अब्बासी खलीफा अल-मुस्तासिम को मार डाला। इसके बाद इजिप्ट मिस्त्र के मुमालिक खलीफा हुए। 1250 में मिस्त्र में मुमालिक सुल्तानों ने अय्यूबी वंश को उखाड़ फेंका। मंगोलों द्वारा बगदाद विनाश के बाद, 1258 के बाद मुमालिकों ने काहिरा में अब्बासी खलीफाओं की एक नाममात्र शाखा को संरक्षण दिया। ये खलीफा सिर्फ प्रतीकात्मक थे, असली सत्ता मुमालिक सुल्तानों के पास थी। मुमालिक अब्बासी खलीफा 1517 तक चले, जब ओटोमन साम्राज्य ने मुमालिकों को हराया।

तुर्क के सुल्तान सेलिम प्रथम ने 1517 में मिस्त्र के ममलूक शासक जिनका राज्य सीरिया, हिजाज क्षेत्र और मिस्त्र में था पर विजय प्राप्त कर ऑटोमन साम्राज्य कायम किया। काहिरा से अंतिम अब्बासी खलीफा अल-मुतवक्किल को कैद करके कांस्टेंटिनोपल (इस्तांबुल) ले जाया गया। ममलूक सल्तनत (मिस्त्र, सीरिया, हिजाज) पर कब्जा करने के बाद उन्होंने मक्का, मदीना और यरूशलम जैसे पवित्र स्थलों पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया। ओटोमन सुल्तान इस्लामी दुनिया के सबसे शक्तिशाली शासक बन गए। उन्होंने खुद को इस्लाम का संरक्षक और खलीफा (रसूल के उत्तराधिकारी) घोषित किया।

इससे पहले 14वीं शताब्दी से ओटोमन सुल्तान कभी-कभी इस उपाधि का इस्तेमाल करते थे किंतु ओटोमन ख़िलाफ़त 1517 से 1924 तक चली (लगभग 407 वर्ष)। 1924 में मुस्तफा कमाल अतातुर्क ने तुर्की गणराज्य स्थापित करने के बाद ख़िलाफ़त को पूरी तरह समाप्त कर दिया। यह ख़िलाफ़त मुख्य रूप से राजनीतिक और धार्मिक प्राधिकार का प्रतीक थी, जिसने ओटोमन साम्राज्य को इस्लामी दुनिया का नेता बनाया।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

गौमाता सड़क पर क्यों? - कानून, आस्था और भूखे पेट का सच

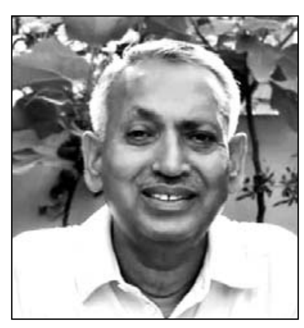

मदन सिंह काला

बचपन में स्कूल की दीवार पर लिखा पढ़ा था, गाय हमारी माता है। घर में भी यही सुना। साथ ही भैंस के लिए सुना, भैंस रांड भूतणी और पाडो-भैंसा पटेल। माता की अवधारणा मन में बैठ गई। सालों बाद जब जिला कलक्टर बना तो शहर की सड़कों पर वही माता कचरा खाती दिखी। भैंस, बकरी, भेड़ कहीं नहीं थी। सिर्फ गाय। तब पहली बार लगा कि श्रद्धा और सच्चाई के बीच कोई बड़ा फासला है। मैंने नगर परिषद की बैठक बुलाई। तय हुआ कि आवारा गायों को 10 किलोमीटर दूर चारागाह में छोड़ा जाए, जहां घास और पानी दोनों थे। अभियान चला। शाम होते-होते गायों के मालिक उन्हें वापस घर ले गए। तब समझ आया कि गाय आवारा नहीं है। हमने निर्देश दिए कि हर गाय के गले में मालिक का नाम और मोबाइल नंबर वाला पट्टा हो। उसी दिन नारा गढ़ा, मालिक आवारा है न कि गाय।

गाँव में समस्या और विकट थी। किसान कहते, बछड़ी हुई तो पाल लेंगे, गाय बनेगी। बछड़ा हुआ तो क्या करें? न दूध देता है, न अब हल में जोतते हैं। उल्टा फसल खा जाता है, सड़क पर मौत का कारण बनता है। इस सवाल ने पीछा नहीं छोड़ा। मैंने यथार्थ गीता पढ़ी। 5वें और 6ठें अध्याय में कृष्ण गाय को उपयोगी पशु कहते हैं। 10वें में कहते हैं, गायों में मैं कामधेनु हूँ। पर कामधेनु हर गाय नहीं है। कामधेनु तो यह धरती है जो मेहनत से सब कुछ देती है। विज्ञान ने यही सिखाया।

विनायक दामोदर सावरकर ने गाय को लेकर रूढ़िवादी मान्यताओं को सीधी चुनौती दी थी। सावरकर का साफ तर्क था कि मनुष्य गाय के लिए नहीं, गाय मनुष्य के लिए है। जब गाय दूध देना बंद कर दे, अनुपयोगी हो जाए, या मानव जीवन पर संकट आए तो उसके वध और गोमांस सेवन में कोई पाप नहीं। वे मानते थे कि धर्म के नाम पर पशु को ईश्वर मानना और अंध भावना में बहना राष्ट्र के लिए आत्मघाती है। उनके शब्दों में, हिंदुओं ने गाय, मंदिर और ब्राह्मण जैसे प्रतीकों को बचाने के चक्कर में कई बार विदेशी आक्रमणकारियों के सामने अपना राज्य दांव पर लगा दिया।

इसलिए गाय की देखभाल परिवार के सदस्य जैसी हो, पर उसे पूजनीय मानना त्याज्य है। आज हर चौराहे पर एक सवाल खड़ा है – गाय हमारी माता है, तो माँ सड़क पर कचरा क्यों खा रही है? गाय के नाम पर कानून इतने सख्त कि मांस रखना भी जेल, लेकिन उसी गौमाता के नाम पर 1.93 करोड़ पशु बेसहारा, किसान की फसल बर्बाद और हाईवे पर हर दिन 8 लोगों की मौत। यह विरोधाभास नहीं, हमारी नीति का आईना है।

पाठक की सुविधा के लिए उसे गौवंश से संबंधित कानूनी पृष्ठभूमि भी के तौर पर देखना आवश्यक है जिसके कारण गौवंश की स्थिति दयनीय बनी। भारत के 20 से ज्यादा राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में आज गाय, बैल, बछड़ा, नंदी का वध, बिक्री, परिवहन कानूनन अपराध है। गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में पूर्ण प्रतिबंध है। सजा 3 साल से लेकर 10 साल तक, जुर्माना 10,000 से 5 लाख तक। महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम 1976 और गुजरात संशोधन 2017 कहते हैं कि गौवंश का वध तो छोड़ो, उसके मांस को फ्रिज में रखना भी गैर-जमानती अपराध है। 2017 में केंद्र के पशु बाजार नियम आए तो किसान की बूढ़ी गाय बिकनी बंद हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने नियम पर रोक लगाई, पर डर बना रहा। नतीजा यह हुआ कि कर्नाटक में चमड़ा निर्यात 2017 के 521 करोड़ से गिरकर 2021 में 166 करोड़ रह गया। कानपुर, कोलकाता और चेन्नई की 40 प्रतिशत टेनरी में ताला लग गया। कर्नाटक, असम, तेलंगाना, आंध्र, तमिलनाडु में सिर्फ गाय वध पर रोक है, बूढ़े बैल-भैंसे पर नहीं। केरल, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा में कोई प्रतिबंध नहीं। यानी देश एक, कानून अनेक। सिर्फ वध नहीं, मृत गौवंश का चमड़ा उतारना भी अब जोखिम है। परंपरागत चर्मकार कहते हैं कि गाय मरी तो पुलिस आती है, चमड़ा उतारा तो जेल। हमारे बच्चे क्या खाएँ? 25 लाख लोग इसी काम से जुड़े थे, जिनमें 90 प्रतिशत दलित-मुस्लिम। धंधा चौपट, तो हुनर भूखा।

कानून के बाद का सच हर घर तक पहुँच गया है। पहली समस्या 1.93 करोड़ बेसहारा गोवंश की है। ये आवारा नहीं, हमारे ही गोपालकों की गैर-जिम्मेदाराना मानसिकता का नतीजा हैं। 1966 तक बैल ही ट्रैक्टर था। 1951 में 8 करोड़ बैल हल जोतते थे। फिर आया 80 लाख ट्रैक्टरों का जमाना। एक ट्रैक्टर पंद्रह बैल जोड़ी की ताकत रखता है। बैल पालना साल का 60,000 पड़ता है, ट्रैक्टर से जुताई 800 प्रति एकड़। किसान ने कैलकुलेटर चलाया। यूरिया 266 की बोरी ने 5000 लेबर वाले 10 टन गोबर को हरा दिया। भैंस 18 लीटर दूध देती है, देसी गाय 2-3 लीटर। पहले मरने पर चमड़ा 2000 बिकता था, अब वो भी अपराध। नतीजा यह कि किसान बछड़ा और बूढ़ी गाय सड़क पर छोड़ देता है। 20वीं पशुगणना 2023 के अनुसार देश में 1,93,60,579 बेसहारा गोवंश हैं। उत्तर प्रदेश 12.01 लाख के साथ सबसे ऊपर है। राजस्थान 8.73 लाख, मध्य प्रदेश 9.46 लाख। अकेले राजस्थान में भारत के कुल अनुत्पादक मवेशियों का 25 प्रतिशत है। ये दूध नहीं देते, इन्हें हल में नहीं जोतते, ये सिर्फ खाते हैं और सड़क पर बैठते हैं।

दूसरी समस्या खेत से श्मशान तक का सफर है। किसान और आम आदमी दोनों मर रहे हैं। नाबार्ड की रिपोर्ट 2022 बताती है कि सिर्फ उत्तर प्रदेश में हर साल 5000 करोड़ की फसल आवारा पशु चर जाते हैं। राजस्थान हाईकोर्ट में राज्य सरकार ने 2018 का डेटा दिया कि सिर्फ एक साल में 185 से ज्यादा मौतें आवारा पशुओं से हुईं। उसके बाद सरकार ने डेटा देना ही बंद कर दिया। हाईकोर्ट ने फटकार लगाई कि आवारा पशुओं के कारण दुर्घटनाएँ दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार 2023 में पूरे भारत में 2800 लोग सीधे आवारा पशुओं की टक्कर से मरे। एमपी के श्योपुर में 2024 में कार सड़क पर बैठी गाय को बचाने में पेड़ से टकराई और राजस्थान के 4 लोग मौके पर खत्म हो गए, गाय भी मरी। भरतपुर में दो सांड लड़ते-लड़ते कार पर गिरे और 6 लोगों की मौत हो गई। बालोतरा में सांड ने मिठाई दुकानदार को सींग पर उठाकर पटका, सिर की चोट से मौत हो गई। ये आंकड़े नहीं, हर हफ्ते की खबर हैं।

तीसरी समस्या गौशालाओं की है। देश में 5600 पंजीकृत गौशालाएं हैं। सरकार औसत 30 प्रति पशु प्रतिदिन देती है। असल खर्च चारा 80, पानी-दवा 20, कुल 100 है। यानी 70 प्रतिशत गौशाला हर दिन घाटे में हैं। सीएजी राजस्थान की रिपोर्ट रोंगटे खड़े कर देती है। 4.5 लाख गायों में से 1.2 लाख सिर्फ 6 महीने में मर गईं, भूख और बीमारी से। अलवर के पशु अस्पताल में 3 दिन में 12 गोवंश मरे, शव 2 दिन तक नहीं उठे। चौथी समस्या रोजगार की है। चमड़ा उद्योग 12 बिलियन डॉलर का था। 25 लाख लोगों को सीधा रोजगार मिलता था। बंगाल में 100 इकाइयाँ बंद हुईं, 4000 बेरोजगार हो गए। कोलकाता का लेदर ग्लव्स निर्यात 2000 करोड़ का है। एक निर्यातक का दर्द है कि अगर मुझे गाय का चमड़ा मिलना बंद हो गया तो मुझे दक्षिण अफ्रीका से घटिया चमड़ा मंगाना पड़ेगा, और व्यापार पाकिस्तान और चीन के हाथ चला जाएगा। धारावी में 50 टैनरी से अब 4 बची हैं। मृत पशु उठाने वाले, हड्डी-बटन बनाने वाले, जिलेटिन फैक्ट्री सब खत्म हो गए। जिस कानून ने गाय बचाने का दावा किया, उसने इंसान से निवाला छीन लिया।

पांचवीं समस्या इंसानियत की हत्या की है। 2014 से 2023 के बीच गौ-तस्करी के शक में 120 से ज्यादा हिंसक घटनाएं हुईं, 50 मौतें हुईं। राजस्थान में ही चित्तौड़गढ़ में 2021 में भीड़ ने 25 साल के बाबू लाल भील को पीट-पीट कर मार डाला। अलवर में पहलू खान 2017, उमर खान 2017, रकबर खान 2018 में मारे गए। दूसरी तरफ फसल बर्बादी से तंग आकर 2022 में 47 किसान आत्महत्या कर गए, यह का डेटा है। यानी गाय के नाम पर इंसान मर रहा है, और इंसान के नाम पर गाय सड़क पर तड़प-तड़प कर मर रही है।

इतिहास क्या कहता है? गाय हमेशा पवित्र नहीं थी, उपयोगी थी। इतिहासकार डी. एन. झा अपनी किताब द मिथ ऑफ द होली काऊ में वैदिक ग्रंथों के हवाले से लिखते हैं कि ऋग्वेद 10.86.14 में इंद्र से प्रार्थना है, "हे इंद्र, तुम्हें भेंट किए गए बैल को स्वीकार करो"। शतपथ ब्राह्मण 3.1.2.21 साफ कहता है, "वह गाय या बैल को मारता है, जो लोग इसे सही ढंग से बलि देते हैं, वे वास्तव में इसे सही ढंग से मारते हैं"। सबसे बड़ा उदाहरण सुप्रसिद्ध ऋषि याज्ञवल्क्य का है। गोमांस निषेध के सबसे बड़े पैरोकार माने जाने वाले ऋषि याज्ञवल्क्य ने शास्त्रार्थ में कहा कि "जब तक गायों और बैलों का मांस नरम-अंसल रहेगा तब तक मैं उसे खाता रहूंगा"। अतिथि को गोघ्न इसलिए कहते थे क्योंकि उसके लिए गाय काटी जाती थी। तो बदलाव कब आया? जब समाज खानाबदोश से कृषि-प्रधान बना। बैल ट्रैक्टर बन गया, गोबर खाद बन गया। बौद्ध और जैन के अहिंसा सिद्धांत के कारण ब्राह्मण वर्ण की परम्पराओं से लोग दूर होने लगे तो ब्राह्मणों ने गाय की पूजा करने लगे और उसको मां का दर्जा दिया। गुप्त काल 320 से 550 ईस्वी तक आते-आते गाय अघन्या, यानी न मारने योग्य, हो गई। यानी गाय की पवित्रता अनादि-अनंत नहीं, एक आर्थिक-ऐतिहासिक प्रक्रिया है। दिलचस्प बात यह है कि बाबर ने अपनी वसीयत में गौकशी पर रोक लगाने को कहा। अकबर ने तो मौत की सजा का फरमान जारी किया। जहाँगीर ने भी प्रतिबंध रखा। यानी मध्यकाल के मुस्लिम शासक भी हिंदू भावना का सम्मान करते थे। 1966 के बाद यह साम्प्रदायिक पहचान का मुद्दा बना, जब संगठनों ने सड़क पर गौहत्या निषेध का आंदोलन छेड़ा।

रास्ता क्या है? नारा नहीं, नीति चाहिए। समस्या धार्मिक नहीं, पूरी तरह आर्थिक है। और आर्थिक समस्या का हल कानून की लाठी नहीं, बाजार का दिमाग है। पहला उपाय है गोबर को जीडीपी से जोड़ना। एक गाय रोज 10 किलो गोबर देती है। इससे 0.5 किलो सीएनजी बनती है, बाजार भाव 30। यानी एक बेसहारा गाय 900 महीना कमा सकती है। देश में 5000 गोबर-सीएनजी प्लांट लगें तो 2.5 करोड़ गाय कमाऊ पूत बन जाएंगी। किसान को सीधे 2000 महीना मिले। दूसरा उपाय नस्ल सुधार है, नारेबाजी नहीं। ब्राजील ने हमारी गिर गाय से जिरोलैंडो नस्ल बनाई जो 25 लीटर दूध रोज देती है। हम 3 लीटर पर अटके हैं। एनडीआरआई करनाल की वृंदावनी 15 लीटर देती है। बछड़ा बोझ नहीं, ब्रीडिंग बुल बने। तीसरा उपाय चमड़ा-हड्डी उद्योग को अपराध से आज़ाद करना है। मृत पशु का चमड़ा उतारना, हड्डी से जिलेटिन-बटन बनाना कृषि-कार्य घोषित हो। वर्ना 12 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट पाकिस्तान और चीन ले जाएगा। चौथा उपाय सब्सिडी की दिशा बदलना है। यूरिया पर 1.75 लाख करोड़ सब्सिडी है। इसका सिर्फ 10 प्रतिशत गोबर खाद पर शिफ्ट कर दो। किसान को 5000 प्रति एकड़ मिले तो वो गोबर खरीदेगा। पांचवां उपाय पंचायत की जवाबदेही तय करना है। जिस गाँव की सीमा व शहर की गलियों में भूखी-प्यासी गाय मरे, उस सरपंच/ वार्ड मेम्बर पर 10,000 जुर्माना लगे। गौ-रक्षा दल की जगह गौ-सेवा दल बने जो चारा-पानी दे।

अंतिम बात यह है कि कृष्ण ने गाय क्यों चराई? क्योंकि तब गाय गोधन थी। बैंक, ट्रैक्टर, खाद, दवा सब। आज ट्रैक्टर खेत जोतता है, यूरिया खाद देता है, प्लास्टिक जूता बनाता है। अर्थव्यवस्था बदली, तो गाय की उपयोगिता भी बदली। हम कानून से 1500 साल पुरानी अर्थव्यवस्था वापस नहीं ला सकते। धर्म वहीं जिंदा रहता है जो वक्त के साथ इंसान का पेट भरता हो। "गौ माता की जय" बोलना सबसे आसान है। मुश्किल है पूछना कि गौ माता भूखी क्यों है? जब तक इस सवाल का जवाब राजनीति देगी, गाय हाईवे पर कटेगी और किसान फंदे पर लटकेगा। जिस दिन जवाब विज्ञान, करुणा और बाजार देगा, उस दिन गाय फिर कामधेनु बन जाएगी और किसान का बेटा खेत में सोने के बजाय स्कूल में पढ़ेगा। भूखे पेट न भजन होय गोपाला। पहले चारा, फिर नारा। पहले रोजगार, फिर कानून।

–मदन सिंह काला,
पूर्व आईएएस

राशिफल

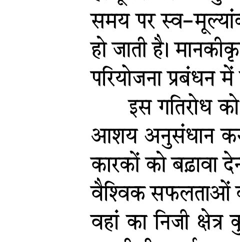

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 10 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र प्रातः 9:22 तक, आयुष्मान योग प्रातः 6:30 तक, वणिज करण दिन 1:46 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 1:46 से रात्रि 12:58 तक रहेगी। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:01 तक, शुभ 10:44 से 12:26 तक, चर 3:51 से 5:33 तक, लाभ 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:16

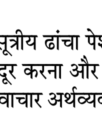

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी मन में असंतोष बना रहेगा।

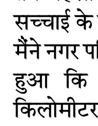

वृष
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

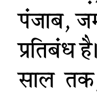

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

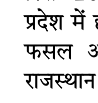

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

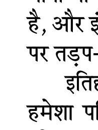

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

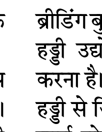

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते है। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

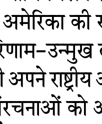

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

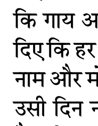

वृश्चिक
व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

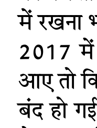

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में वैवाहिक वाद-विवाद हो सकते है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

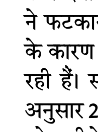

मकर
व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

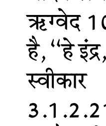

कुंभ
व्यावसायिक प्रयासों में सार्थक/उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

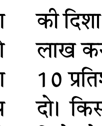

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 18 | संख्याः 42 | प्रभात | चूरू, बुधवार 10 जून, 2026 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

भारत ने पहली बार अपने परमाणु अस्त्रों को ''ऑपरेशन मोड'' में डाला

स्टॉक होम इंटरनैशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि भारत के जो परमाणु अस्त्र ''भंडार'' में बंद थे, उन्हें प्रक्षेपण के लिए तैयार कर, भारत ने सैन्य तत्परता में तेजी का संदेश दिया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। परमाणु हथियार नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए, भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहैड ''तैनात'' किए हैं। यह खुलासा स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की नवीनतम रिपोर्ट में किया गया है।

- **एसआईपीआरआई विश्व की सबसे बड़ी आर्म्स ट्रैकिंग संस्था है। उसकी रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉर हैड तैनात किए हैं, जो भारत की दशकों पुरानी नीति में बड़ा बदलाव है। जिसके तहत परमाणु वॉर हैड एवं प्रक्षेपण सिस्टम को अलग-अलग भंडारण स्थल पर रखा जाता है।**
- **रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि गत वर्ष भारत के परमाणु अस्त्र मामूली वृद्धि के साथ 190 तक पहुँच गए थे।**

दुनिया की शीर्ष हथियार-निगरानी संस्था एसआईपीआरआई ने अपनी ताज़ा रिपोर्ट में कहा है कि भारत ने पहली बार 12 परमाणु वॉरहैड तैनात किए हैं। यह दशकों पुरानी उस नीति में एक बड़ा बदलाव है, जिसके तहत परमाणु वॉरहैड और उनके प्रक्षेपण सिस्टम (डिलीवरी सिस्टम) को अलग-अलग भंडारण स्थलों में रखा जाता था।

रिपोर्ट के अनुसार, यह पहला अवसर है, जब भारत के परमाणु शस्त्रागार को केवल भण्डार के रुप में (स्टॉकपाइल) नहीं, बल्कि संचालनात्मक रूप से तैनात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक

पटना, 09 जून। फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित शिक्षक फैज़ल खान (खान सर) की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुपेश देव ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। सोमवार को खान सर के वकील अरविंद कुमार महूआर के द्वारा कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गयी थी। इसके साथ ही गिरफ्तार दोनों सुरक्षा गार्ड की जमानत के लिए भी याचिका दायर की गयी थी।

शनिवार को खान सर के कोर्ट में सरेंडर करने की खबर आयी थी, लेकिन उन्होंने सरेंडर नहीं किया। उनके वकील

- **पटना सिविल कोर्ट ने यह आदेश दिया, अब अगली सुनवाई 30 जून को होगी।**

अरविंद कुमार महूआर ने बताया था कि शनिवार को कोर्ट 1:30 बजे बंद हो गया, इसलिए अग्रिम जमानत याचिका दायर नहीं कर पाए। इसके बाद सोमवार को खान सर के वकील ने कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साज़िशों के शिकार बेचारे अशोक गहलोत

75 वर्षीय अशोक गहलोत की हताशा अपने चरम पर है, क्या इसलिए वे ''विक्टिम कार्ड'' खेल रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। अशोक गहलोत क्या इसलिए अपने आपको साजिशों से घिरा हुआ महसूस कर रहे हैं क्योंकि उन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं मिला, पिछले तीन सालों से नेहरु- गांधी परिवार ने उन्हें लंबी बातचीत का कोई अवसर नहीं दिया या फिर उन्हें ए.आई.सी.सी. के अहम पदों, जैसे कि कोषाध्यक्ष और संगठन के प्रभारी महासचिव जैसे अहम पदों को खोने का डर है, क्या इस हताशा ने पिछले कुछ दिनों में गहलोत को इतना मुखर बना दिया है।

- **अशोक गहलोत की हताशा का मूल कारण है, पार्टी नेतृत्व और गांधी परिवार द्वारा उन्हें पूर्णतया अनदेखा करना। राज्यसभा के लिए उनके नाम पर विचार तक नहीं किया गया। गांधी परिवार ने तीन साल से उन्हें मुलाकात का समय नहीं दिया है और ना ही पार्टी में कोई बड़ा पद मिला है।**
- **इसी हताशा में उन्होंने उस कुख्यात प्रसंग को फिर से छेड़ दिया, जिसने न केवल सच्चे व निष्ठावान कांग्रेस होने के उनके दावे की धज्जियाँ उड़ा दी थीं, बल्कि गांधी परिवार को भी स्तब्ध कर दिया था।**

जयपुर में गहलोत ने स्वयं ही उस शर्मनाक घटना को फिर से उठाकर नया रंग देने की कोशिश की, जिसमें एक पुराना सच्चा तथा निष्ठावान कांग्रेसी होने के उनके दावे की धज्जियां उड़ा दी थीं। उन्होंने राजस्थान कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाने से इन्कार करके सोनिया गांधी और पार्टी के बाकी नेताओं को चौंका दिया था।

यह वही समय था, जब सोनिया गांधी ने गहलोत से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 88 वें अध्यक्ष के तौर पर काम संभालने के लिए दिल्ली आने को कहा था। लेकिन गहलोत को आशंका थी कि उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इसी कारण उन्होंने पार्टी हाई कमान के फैसले को न मानने के लिए पार्टी के 92 विधायकों को उकसाया।

हाल ही में, 7 जून 2026 को गहलोत ने इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था। उनका कहना था कि यह सब विधायकों ने किया था और वे पार्टी की आंतरिक परिस्थितियों के अनुसार काम कर रहे थे, न कि केन्द्रीय नेतृत्व का विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया की रिपोर्टिंग के कारण लोगों के बीच उक्त स्थिति की गलत छवि बनी।

अशोक गहलोत ने कहा कि उन्हें लगता है कि पूरी घटना की गलत व्याख्या की गई और उन्हें तो यह एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुबई में सड़क हादसे में 7 भारतीयों की मौत

दुबई, 09 जून। दुबई में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सात भारतीय नागरिकों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

दुबई पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ, जब एक

- **भारतीय श्रमिकों की एक मिनी बस सड़क के बीच में खड़े ट्रक से टकरा गई, हादसे में 9 लोग घायल हुए हैं।**

मिनीबस सड़क के बीच तकनीकी खराबी के कारण खड़े एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक अचानक बीच सड़क पर रुक गया था।

दुबई पुलिस के यातायात विभाग के महानिदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि बस चालक पर्याप्त सावधानी नहीं बरत सका और सुरक्षित दूरी बनाए रखने में विफल रहा, जिसके कारण यह टक्कर हुई। दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। घायलों में पांच की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि चार अन्य को मध्यम श्रेणी की चोटें आई हैं। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

कर्नाटक में राज्यसभा की तीन सीटें कांग्रेस को एक पर भाजपा

बेंगलुरु, 09 जून। कर्नाटक से राज्यसभा की चार रिक्त सीटों के लिए चुनाव मैदान में उतरे चारों प्रमुख उम्मीदवारों का निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय हो गया है। कांग्रेस के तीन और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक उम्मीदवार के नामांकन पत्र वैध

- **चारों सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है।**

पाए जाने के बाद, अब चुनाव की आवश्यकता नहीं रह गई है। नाम वापसी की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद निर्वाचन आयोग की ओर से इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी।

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा और वरिष्ठ नेता मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया है। वहीं भाजपा ने प्रोफेसर एम. नागराज को अपना प्रत्याशी घोषित किया था। मंगलवार को निर्वाचन अधिकारी के.एम. विशालाक्षी ने सभी नामांकन पत्रों की जांच की, जिसमें चारों उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए।

खो नागोरियान में अवैध पटाखा गोदाम में आग से आठ की मौत

गोदाम में भारी मात्रा में पटाखे होने के कारण आग बहुत तेजी से फैली

जयपुर, 9 जून। खोह नागोरियान थाना क्षेत्र के करीब नगर-बी स्थित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हुए भीषण अग्निकांड और विस्फोट में एक बच्चे सहित आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। रिहायशी इलाके में संचालित इस अवैध फैक्ट्री को लेकर प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

पुलिस के अनुसार, मकान संख्या-88 में अवैध रूप से शादी समारोह में उपयोग होने वाले पटाखों की पैकिंग का काम किया जा रहा था। यह मकान

- **पुलिस के अनुसार, मकान मालिक याकूब ने यह भवन दिल्ली निवासी फिरोज को किराये पर दे रखा था। फिरोज अपने सहयोगी वसीम के साथ यहाँ अवैध पटाखों का गोदाम चला रहा था।**

याकूब पुत्र नजीर खान निवासी राक्ष्या की ढाणी, खोह नागोरियान का बताया गया है। याकूब ने मकान दिल्ली निवासी फिरोज को किराए पर दे रखा था। फिरोज अपने साथी वसीम के साथ यहां अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री संचालित कर रहा था। हादसे के बाद से दोनों संचालक और मकान मालिक फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

अग्निकांड में मोहम्मद अशरफ (40) पुत्र मोहम्मद शकील निवासी पीरजी कॉलोनी, मोहम्मद रब्बिल (16) पुत्र मोहम्मद सिकंदर निवासी करीम नगर-2 तलाई, अब्दुल वहीद (46) पुत्र अब्दुल अजीज निवासी रहीम नगर, समीर खान (20) पुत्र अनीस खान निवासी रहीम नगर, बिलाल खान (28) पुत्र नासिर खान निवासी रहीम नगर, आजीम खान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एच-1बी वीज़ा पर एक लाख डॉलर नहीं देने होंगे'

बोस्टन (वॉशिंगटन), 09 जून। अमेरिकी संघीय अदालत ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा आवेदन पर लगाए गए एक लाख डॉलर के शुल्क को गैरकानूनी करार देते हुए रद्द कर दिया है। कोर्ट का यह फ़ैसला ट्रंप प्रशासन के उस अभियान के लिए एक झटका है, जिसका मकसद इमिग्रेशन को सीमित करना और अमेरिकी कर्मचारियों की मांग को बढ़ ाना था। इस फैसले को अमेरिकी टेक कंपनियों और हजारों भारतीय पेशेवरों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। मैसाचुसेट्स में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज लियो टी. सोरोकिन ने सोमवार को अपने फैसले में कहा कि एच-1बी वीज़ा पर लगाया गया एक लाख डॉलर का शुल्क वास्तव में एक टैक्स था, जिसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति को कांग्रेस की मंजूरी प्राप्त नहीं थी। अदालत ने इस आदेश को अवैध बताते हुए निरस्त कर दिया।

राज्यसभा में बहुमत मिल सकता है, सत्तारूढ़ एनडीए को

राज्यसभा में एनडीए के 148 सदस्य हैं, बहुमत के लिए 163 सीटों की जरुरत है, मौजूदा राज्यसभा चुनाव में एनडीए 17 सीटें जीत सकती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। विभिन्न राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनावों और उपचुनावों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संसद के उच्च सदन में स्थिति और मजबूत होने की संभावना है।

- **इसके अलावा भाजपा को टीएमसी के राज्यसभा सदस्यों का भी समर्थन मिल सकता है। इस प्रकार एनडीए, खासकर भाजपा के लिए राज्यसभा में बहुमत नहीं होने की अड़चन दूर हो जाएगी।**
- **18 जून को कुल 26 राज्यसभा सीटों के लिए मतदान होगा। इनमें महाराष्ट्र व तमिलनाडु में हो रहा एक-एक उपचुनाव भी शामिल है।**

अनुमानों के अनुसार, भाजपा/एनडीए गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर जैसे अपने मजबूत गढ़ों में अधिकांश सीटें बरकरार रखने के साथ-साथ, कुछ अतिरिक्त सीटें भी जीत सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, गुजरात में इस बार रिक्त हुई चारों सीटों पर भाजपा की जीत का अनुमान है। इसी तरह आंध्र प्रदेश में भी एनडीए को बढ़त मिलने की संभावना है। पहले इन चार सीटों में से तीन सीटें वाईएसआर कांग्रेस के पास थीं, जबकि एक सीट तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के खाते में थी। इस बार टीडीपी, भाजपा और जेसीपी के गठबंधन के सभी चार सीटें जीतने की संभावना जताई जा रही है।

जून 2026 तक राज्यसभा में भाजपा के पास 114 सदस्य हैं, जबकि एनडीए की कुल संख्या 148 है। राज्यसभा की कुल सदस्य संख्या 245 है और दो-तिहाई बहुमत के लिए एनडीए को 163 सीटों की आवश्यकता है। मौजूदा चुनावों और उपचुनावों के बाद एनडीए के इस आंकड़े तक पहुंचने की संभावना तो नहीं है, लेकिन वह इस लक्ष्य के और करीब पहुंच सकता है।

भाजपा और एनडीए के लिए एक अन्य सकारात्मक घटनाक्रम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में चल रही अंदरूनी टूट-फूट है। टीएमसी से अलग हुए 20 लोकसभा सांसदों के एक समूह ने एनडीए को समर्थन देने के संकेत दिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी 13 से 19 जून को विदेश यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली, 09 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13-19 जून के बीच फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान, प्रधानमंत्री फ्रांस के एवियन में आयोजित होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान वे जी7 नेताओं और आमंत्रित भागीदार देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री फ्रांस में 13-14 जून (नीस) और 16-19 जून (एवियन और पेरिस) की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री 14 जून को नीस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। अपनी यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री 14 से 16 जून तक स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की उस देश की पहली यात्रा होगी।

ममता बनर्जी की गैर मौजूदगी में उनके घर पहुँची सीआईडी की टीम

सीआईडी ने तृणमूल कांग्रेस दफ्तर पर रेड की, दफ्तर ममता बनर्जी के घर में ही स्थित है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जून। जब ममता बनर्जी दिल्ली में सोनिया गांधी से उनके आवास पर मिलने गई हुई थीं, उसी समय कोलकाता पुलिस की जांच एजेंसी सीआईडी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के ऑफिस (30 बी हरीश चंद्र स्ट्रीट) पहुँची। यह टीम हस्ताक्षरों में धोखाधड़ी से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जाँच के लिए वहाँ गई थी।

यह कार्यालय उसी परिसर में स्थित है, जहां ममता बनर्जी का घर है। दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा बड़ा आवासीय परिसर वास्तव में कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर बना हुआ है।

सीआईडी ने अभिषेक बनर्जी को तीन बार पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने किसी भी नोटिस का जवाब नहीं दिया। इसके बाद सीआईडी ने पार्टी कार्यालय पर छापा मारा। इस अपराध में अधिकतम सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। जालसाजी के मामले में अभिषेक बनर्जी गंभीर रूप से फंसते दिखाई दे रहे हैं और उनके लिए आरोपों के परिणामों से बचना कठिन हो सकता है।

अभिषेक बनर्जी को हस्ताक्षर

- **सीआईडी की रेड, अभिषेक बनर्जी पर लगे फर्जी हस्ताक्षर के आरोपों के सिलसिले में की गई थी। इस मामलों में अभिषेक बनर्जी बुरी तरह फंसे दिख रहे हैं। अपराध साबित हुआ तो उन्हें 7 साल की जेल हो सकती है।**
- **अभिषेक पर आरोप है कि उन्होंने शोभन देव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता बनाने के लिए 6 मई को जो पत्र विधानसभा स्पीकर को भेजा था, उसमें कुछ विधायकों के हस्ताक्षर जाली थे।**

जालसाजी की शिकायतों की जांच के लिए सीआईडी कार्यालय में उपस्थित होने के तीन नोटिस दिए गए थे। कम से कम चौदह निर्वाचित विधायकों ने कहा था कि उन्होंने विपक्ष के नेता को नॉमिनेट करने वाले दस्तावेज पर साइन नहीं किए थे।

अभिषेक बनर्जी ने बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष को एक पत्र सौंपा था, जिसमें शोभन देब चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नॉमिनेट किया था। 6 मई को अपने पत्र में उन्होंने लिखा था कि 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित पार्टी बैठक में विपक्ष के नेता के नाम का प्रस्ताव पारित किया गया था।

अभिषेक बनर्जी के पत्र में पार्टी के दो पते दिए गए थे-एक 30बी हरीश चटर्जी रोड और दूसरा 8 कैमैक स्ट्रीट (जो अभिषेक बनर्जी कार्यालय है)। एक पूर्व विधायक ने सीआईडी टीम का विरोध किया और दावा किया कि कार्यालय का इंचार्ज वही है।

अगले दिन ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि पत्र पर मौजूद कई विधायकों के हस्ताक्षर असली नहीं थे। उनके अनुसार, ये हस्ताक्षर जाली थे। सीआईडी उस प्रस्ताव-पुस्तिका (रिज़ॉल्यूशन बुक) को ढूंढ रही थी, जिसमें प्रस्ताव दर्ज और पास किया गया था। रिज़ोल्यूशन बुक ऑफिस में होनी चाहिए थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एमपी में राज्यसभा की तीनों सीटें भाजपा के खाते में

भोपाल, 09 जून। मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच तीसरी सीट की कांग्रेस उम्मीदवार

- **तीसरी सीट कांग्रेस की प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन मैदान में थी, पर उनका नामांकन निरस्त कर दिया गया, आरोप है कि उन्होंने तेलंगाना के एक केस की बात छिपाई थी।**

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र खारिज कर दिया गया है। भाजपा की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झुंझुनूं जिले का भूजल स्तर हर साल जा रहा दो मीटर नीचे, पेयजल संकट की आशंका

लगातार कमजोर मानसून, घटती वर्षा और जल संरक्षण के प्रति उदासीनता ने हालात को और गंभीर बना दिया है, वहीं भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन जारी है

- **सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिले में बड़े बांध, स्थायी जलाशय और पर्याप्त सतही जल स्त्रोत नहीं हैं**
- **जीवनदायिनी मानी जाने वाली काटली नदी वर्षों से सूखी पड़ी है, जिससे आसपास के इलाकों में भूजल स्तर तेजी से गिरता चला गया**
- **सबसे चिंताजनक स्थिति सूरजगढ़-पिलानी क्षेत्र की है, जहां मात्र एक वर्ष में 8.40 मीटर की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है**
- **चिड़ावा में भी जलस्तर 72.08 मीटर से गिरकर 76.68 मीटर हो गया, जो 4.60 मीटर की गिरावट दर्शाता है**

झुंझुनूं/ सूरजगढ़/ पिलानी, (निसं)। जिले में भूजल का लगातार गिरता स्तर अब केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाले बड़े जल संकट का खुला संकेत बन चुका है। सरकारी आंकड़े बता रहे हैं कि झुंझुनूं का भूजल औसतन हर साल करीब दो मीटर नीचे खिसक रहा है, लेकिन हालात इससे कहीं अधिक भयावह हैं। कई ब्लॉकों में गिरावट इतनी तेज है कि आने वाले वर्षों में पेयजल संकट विकराल रूप ले सकता है।

अतुल धवन प्रभारी भूजल वैज्ञानिक, भूजल विभाग झुंझुनूं ने बताया कि सबसे चिंताजनक स्थिति सूरजगढ़-पिलानी क्षेत्र की है, जहां मात्र एक वर्ष में 8.40 मीटर की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है। स्थिति यह है कि जिले के अनेक कस्बों और गांवों में अब रोजाना जलापूर्ति देना भी मुश्किल होता जा रहा है। लोग दो-दो और तीन-तीन दिन तक पानी का इंतजार करने को मजबूर हैं। प्रशासनिक योजनाओं और जल संरक्षण के दावों के बावजूद जमीन के भीतर का जल भंडार तेजी से खाली हो रहा है।

सरकारी आंकड़ों और मिली जानकारी के अनुसार जिले में उपलब्ध कुल भूजल का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा केवल सिंचाई में उपयोग हो रहा है। यानी भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन जारी है, जबकि उसके पुनर्भरण की रफ्तार बेहद धीमी है। लगातार कमजोर मानसून, घटती वर्षा और जल संरक्षण के प्रति उदासीनता ने हालात को और गंभीर बना दिया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिले में बड़े बांध, स्थायी जलाशय और पर्याप्त सतही जल स्त्रोत नहीं हैं। जीवनदायिनी मानी जाने वाली काटली नदी वर्षों से सूखी पड़ी है, जिससे आसपास के इलाकों में भूजल स्तर तेजी से गिरता चला गया।

अतुल धवन ने बताया कि जिले में सबसे बड़ा खतरा सूरजगढ़-पिलानी ब्लॉक में दिखाई दे रहा है। वर्ष 2024 में जहां भूजल स्तर 78.80 मीटर था, वहीं 2025 में यह गिरकर 87.20 मीटर पर पहुंच गया। यानी सिर्फ एक साल में 8.40 मीटर का नुकसान। चिड़ावा की तस्वीर भी कम डरावनी नहीं है। यहां जलस्तर 72.08 मीटर से गिरकर 76.68 मीटर हो गया, जो 4.60 मीटर की गिरावट दर्शाता है। नवलगढ़, झुंझुनूं-मंडावा और अलसीसर में भी भूजल लगातार नीचे जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में इन क्षेत्रों में ट्यूबवेल और बोरवेल भी जवाब देने लगेंगे। भूजल गिरावट का असर अब सीधे आम लोगों पर दिखाई देने लगा है। चिड़ावा, बुहाना, पिलानी और आसपास के क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर लोगों को निर्धारित समय पर पानी नहीं मिल रहा और जलदाय विभाग को अंतराल बढ़ाकर सप्लाई करनी पड़ रही है।

कुंभाराम लिफ्ट कैनाल जैसी योजनाएं कुछ क्षेत्रों को राहत जरूर दे रही हैं, लेकिन बढ़ती आबादी और पानी की मांग के मुकाबले यह राहत बेहद सीमित साबित हो रही है। हालांकि खेतड़ी, उदयपुरवाटी और बुहाना-सिंघाना में भूजल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है, लेकिन यह सुधार पूरे जिले की भयावह तस्वीर को ढंक नहीं सकता। खेतड़ी में अटल भूजल योजना और जल संरक्षण कार्यों के कारण 5.61 मीटर का सुधार हुआ है, लेकिन जिले के अधिकांश हिस्सों में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ ब्लॉकों की सफलता को छोड़ दें तो बाकी जिले में भूजल संरक्षण को लेकर अभी भी व्यापक जनभागीदारी दिखाई नहीं दे रही।

कोटा के होटल में फांसी लगाकर युवक ने आत्महत्या की

- **मामले में सामने आया कि युवक के माता-पिता की पूर्व में मौत हो चुकी थी**
- **पिछले तीन-चार दिनों से भीमगंजमंडी क्षेत्र स्थित होटल में कमरा लेकर रूका हुआ था युवक**

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके में एक युवक ने होटल के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मृतक की शिनाख्त थाना बोरखेड़ा के आकाश नगर निवासी गुरूद्वीप भल्ला के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार गुरूद्वीप भल्ला के माता-पिता की पूर्व में मौत हो चूकी थी। गुरूद्वीप पिछले तीन-चार दिनों से भीमगंजमंडी क्षेत्र स्थित होटल में कमरा लेकर रूका हुआ था। होटल स्टॉफ द्वारा कमरे के बाहर आवाज लगाने पर कमरा नहीं खोलने पर होटल मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और रूम का गेट खोला गया तो युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला।

भीमगंजमंडी थाना अधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि होटल मैनेजर से पूछताछ में सामने आया कि बोरखेड़ा के आकाश नगर निवासी गुरूद्वीप भल्ला (38) पिछले कुछ दिनों से होटल में रूका हुआ था, जिसने होटल के कमरे में फांसी का फंदा लगा लिया, मामले में सामने आया कि युवक के माता-पिता की पूर्व में मौत हो चुकी थी। होटल स्टॉफ ने आवाज देकर रूम खुलवाना चाहा तो युवक ने रूम नही खोला तब घटना का पता चला, मौके पर मिले पहचान के आधार पर मृतक के परिचितों को सूचित किया गया, फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के ताऊ के लड़के की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

11 टन सरिया चोरी मामले में एक गिरफ्तार

लालसोट, (निसं)। रामगढ़ पचवारा थाना पुलिस ने 11 टन सरियों से भरी ट्रॉली चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी सियाराम मीणा (23) पुत्र कन्हैयालाल मीणा को गिरफ्तार किया है, जबकि वारदात में शामिल दूसरा आरोपी टिंकू मीणा अभी फरार है।

थानाधिकारी मदनलाल मीणा ने बताया कि परिवादी दुलीचंद ने 12 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 11 मई की रात देहलाल क्षेत्र से करीब 11 टन सरियों से भरी ट्रॉली चोरी हो गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने 13 मई को चोरी हुई ट्रॉली को बरामद कर लिया था। इसके बाद आरोपियों की तलाश जारी थी। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सियाराम मीणा को गिरफ्तार कर लिया।

श्रीगंगानगर में तापमान 45.6 डिग्री पहुंचा

श्रीगंगानगर, (निसं)। प्रदेशभर में तेज गर्मी और हीटवेव का दौर लगातार जारी है। सोमवार को श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार सुबह 8 बजे से ही गर्मी का असर दिखने लगा और तेज गर्म हवाएं चलने लगीं। गर्मी के चलते लोग घरों से निकलने से बचते नजर आए और सड़कों पर आवाजाही भी कम रही। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

मौसम राडार स्टेशन श्रीगंगानगर पर सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। सोमवार को न्यूनतम तापमान 29.8 डिग्री और अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। इसके एक दिन पहले रविवार को जिले में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री और अधिकतम तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया था। तापमान में हुई बढ़ोतरी के साथ ही हीटवेव का असर और तेज हो गया है। मंगलवार सुबह 8 बजे से ही तेज गर्म हवाएं चलना शुरू हो गईं। दिन चढ़ने के साथ गर्मी का असर बढ़ता गया। गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। इसका असर शहर की सड़कों पर भी दिखाई दिया, जहां सामान्य दिनों की तुलना में कम आवाजाही रही।

मौसम विभाग ने 11 जून के बाद एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से राजस्थान के कुछ हिस्सों में आंधी और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार आंधी-बारिश की गतिविधियों के बाद तापमान में गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

पचपदरा के मंडापुरा गांव में सीवरेज गड्ढे में डूबने से तीन मासूमों की मौत

- **घर के पास खेलते-खेलते तीन बच्चे पानी और कीचड़ से भरे सीवरेज गड्ढे में गिर गए थे**

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा जिले के पचपदरा थाना क्षेत्र के मंडापुरा गांव में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घर के पास खेलते-खेलते तीन मासूम बच्चे पानी और कीचड़ से भरे सीवरेज गड्ढे में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

बालोतरा एसडीएम राजेश कुमार ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 4 बजे सूचना मिली कि मंडापुरा गांव में भीलों की बस्ती के पास तीन बच्चे पानी और कीचड़ से भरे गड्ढे में गिर गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा जेसीबी की सहायता से गड्ढे का पानी निकलवाकर बचाव कार्य शुरू किया गया।

ग्राम पंचायत प्रशासक डालाराम प्रजापत के अनुसार तीनों बच्चे दोपहर करीब एक बजे घर के पास टायर से खेल रहे थे। इसी दौरान वे घर से लगभग सौ मीटर दूर एक खाली प्लॉट में पहुंच गए, जहां सीवरेज कार्य के लिए गहरा गड्ढा खोदा गया था। गड्ढे में पानी और कीचड़ भरा हुआ था। खेलते समय तीनों बच्चे उसमें गिर गए और बाहर नहीं निकल सके। शाम करीब 4 बजे जब बच्चे आसपास दिखाई नहीं दिए तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इस दौरान गड्ढे के पानी में बच्चों की चप्पलें दिखाई दीं, जिससे अनहोनी की आशंका हुई। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। प्रशासन ने जेसीबी की मदद से गड्ढे का पानी निकलवाया और ग्रामीणों के सहयोग से शाम करीब 5 बजे तीनों बच्चों के शव बाहर निकाले गए। इसके बाद उन्हें पचपदरा सीएचसी ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान किशन (8) पुत्र गिरधारीराम भील, सोहन (7) पुत्र खेताराम भील एवं विकास (9) पुत्र गोविंदराम भील के रूप में हुई है। हादसे के बाद मंडापुरा गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने खुले और असुरक्षित गड्ढों को लेकर नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की मांग की है। पचपदरा थानाधिकारी गीता कुमारी ने बताया कि शवों को मोर्चरी रखवा दिया गया है। परिजनों की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अलवर में अंधड़ से दीवार गिरी, महिला की मौत

अलवर, (निसं)। जिले में सोमवार शाम को अचानक आए तेज अंधड़ और बारिश से बानसूर, बहरोड़, उमरैण और सरिस्का क्षेत्र में काफी संख्या में पेड़ गिर गए। कई जगहों पर बिजली गुल हो गई। उमरैण इलाके एक निर्माणाधीन मकान की दीवार ढहने से महिला की मौत हो गई।

उमरैण क्षेत्र में तेज हवाओं के कारण एक मकान की दीवार का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के वक्त वहां मौजूद 37 साल की लक्ष्मी पत्नी मुकेश सैनी के सिर पर ईंट आकर लगी। महिला को हॉस्पिटल लेकर गए, लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतका का पति मुकेश दिव्यांग है।

भीलवाड़ा में प्रेम विवाह के पुराने विवाद में दो भाइयों पर हमला

- **लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के को बातचीत के बहाने बुलाकर उस पर और उसके भाई पर चाकूओं से जानलेवा हमला कर दिया**
- **वारदात के बाद अस्पताल परिसर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को प्रेम विवाह (लव मैरिज) को लेकर चल रहा एक पुराना पारिवारिक विवाद उस समय खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया, जब लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के को बातचीत के बहाने बुलाकर उस पर और उसके भाई पर चाकूओं से जानलेवा हमला कर दिया। दिनदहाड़े हुई इस चाकूबाजी और मारपीट की वारदात में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों लहूलुहानभाइयों को तुरंत महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात के बाद अस्पताल परिसर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और पीड़ितों के समर्थकों की भारी भीड़ जुट गई है।

घायलों के अंकल मोहम्मद असलम ने बताया कि उनके भतीजे नदीम ने कुछ समय पहले ही अपनी मर्जी से प्रेम विवाह किया था। इस विवाह के बाद से ही लड़की के परिजन अत्यधिक आक्रोशित थे और नदीम के परिवार को लगातार धमकियां मिल रही थीं। दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव का माहौल था। मंगलवार को लड़की पक्ष ने विवाद को हमेशा के लिए सुलझाने और शांतिपूर्ण बातचीत करने का झांसा देकर नदीम को एक निश्चित स्थान पर बुलाया। नदीम अपने अकेले न जाकर अपने भाई (चाचा के लड़के) फरीन को भी साथ ले गया, लेकिन उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि बातचीत महज एक जाल है।

चश्मदीदों के अनुसार जैसे ही नदीम और फरीन तयशुदा जगह पर पहुंचे, वहां पहले से ही हथियारों से लैस होकर घात लगाए बैठे लड़की के परिजनों और उनके सहयोगियों ने दोनों भाइयों को घेर लिया। बिना किसी बातचीत के आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों और चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दोनों भाइयों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उन्हें बेरहमी से पीटा और पेट व छाती पर चाकूओं से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ दोनों भाइयों ने हमलावरों के भागने के बाद किसी तरह अपने मोबाइल से दोस्तों और रिश्तेदारों को आपबीती सुनाई और मदद की गुहार लगाई। सूचना मिलते ही परिजन और दोस्त तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों को अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सीओ सदर भवानी सिंह तुरंत भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और अस्पताल जाकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा परिजनों के बयान दर्ज किए।

सीओ सदर भवानी सिंह ने बताया कि पीड़ितों की रिपोर्ट के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ भादंसं की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया है और उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित इलाकों और अस्पताल परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

कोटा में थार जीप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक युवक घायल

- **हादसे को लेकर गुस्साए लोगों ने जीप को आग लगा दी, थार जीप को चला रहा युवक व अन्य सवार फरार हो गये**

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में तेज रफ्तार थार जीप की चपेट में आने से बाइक सवार दो दोस्तों में एक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा है। हादसे की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची, मौके से थार जीप को चला रहा युवक व अन्य सवार फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार कौशल व रामदेव दोनों मित्र गांव से बाइक से कोटा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार से आ रही थार के चालक ने लापरवाही-पूर्वक वाहन को चलाते हुए सामने से बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हादसे में घायल दोनों युवकों को उपचार के लिये अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। हादसे में घायल कौशल की अस्पताल मे उपचार के दौरान मौत हो गई, वहीं हादसे में घायल रामदेव को उपचार जारी है। हादसे को लेकर गुस्साए लोगों ने जीप को आग लगा दी, पुलिस टीम ने मौके पर दमकल को बुलाकर आग पर काबू पाया।

नांता थाना अधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि दुर्घटना केशवरायपाटन रोड पर हुई सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे मे तालेड़ा तहसील के विनायका निवासी कौशल मीणा की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई एवं रामदेव गंभीर रूप से घायल है। दोनों युवक बाइक से गांव से कोटा की तरफ आ रहे थे। थानाधिकारी ने बताया कि दोनों वाहनों की भिड़ंत आमने-सामने से हुई है, जीप कोटा की तरफ से केशोरायपाटन की तरफ जा रही थी, जबकि बाइक सवार कोटा की तरफ आ रहे थे। दुर्घटना के बाद जीप चला रहा युवक मौके से फरार हो गया, इसमें उसके साथ तीन-चार लोग अन्य भी सवार थे। थानाधिकारी ने बताया कि मौके पर गुस्साए लोगों ने जीप को आग लगा दी थी, मौके पर दमकल की गाड़ी बुलाकर आग पर काबू पाया गया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

जैसलमेर में युवक का अपहरण कर हत्या

मामले में संदिग्धों से पूछताछ कर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर जिले के खुहड़ी थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय युवक की कथित रूप से अपहरण के बाद पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और ग्राामीणों में रोष व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान महावीरसिंह (22) पुत्र गोरधनसिंह, निवासी म्याजलार के रूप में हुई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने महावीर सिंह का अपहरण कर लिया और उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर खुहड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने की प्रक्रिया शुरू की तथा मामले की जांच जारी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। मामले में संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीम जुटी हुई है। मृतक के परिजनों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

व्यापारी की पैंट की जेब में रखे मोबाइल में ब्लास्ट हुआ

- **व्यापारी के घुटने के ऊपर का हिस्सा और हाथ की अंगुलियां झुलस गई, घायल व्यापारी को सैटेलाइट हॉस्पिटल में भर्ती कराया**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में किराना व्यापारी की पैंट की जेब में रखा मोबाइल अचानक बम की तरह ब्लास्ट हो गया। इसके बाद मोबाइल में आग लग गई। व्यापारी के घुटने के ऊपर (जांघ) का हिस्सा और हाथ की अंगुलियां गंभीर रूप से झुलस गईं। चमड़ी तक उधड़ गई है। तड़पते हुए व्यापारी ने खुद को बचाने के लिए जेब से जलता हुआ फोन बाहर निकालने की कोशिश की, तो उनके हाथ की अंगुलियां जल गईं।

यह घटना मंडोर कृषि मंडी इलाके में सोमवार दोपहर में हुई। घायल व्यापारी गोपाल सोनी (39) को तुरंत मंडोर के सैटेलाइट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हालत गंभीर होने के कारण मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे उन्हें महात्मा गांधी हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि घाव गहरा है। हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जन राजेश गालवा की देखरेख में व्यापारी का इलाज चल रहा है।

अलवर में मध्यप्रदेश से काम करने आये मजदूरों को वन विभाग नहीं दे रहा मेहनताना

वन विभाग ने मजदूरों से 16 हजार गड्ढे भी खुदवा लिये, फिर भी मजदूरी नहीं दी

मजदूरी के लिये खुले में सचिवालय के बाहर मजदूरों ने डेरा डाला।

- **सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे मध्यप्रदेश के मजदूरों ने अधिकारियों पर भुगतान नहीं करने का आरोप लगाया**
- **शिकायत लेकर वन मंत्री संजय शर्मा के पीए मनोज गुप्ता से भी मिले मजदूर, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई**
- **रैंजर द्वारा दिए पैसे कुछ ही समय में समाप्त हो गए, अब मजदूरों के पास खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं**

अलवर, (निसं)। अलवर में वन मंत्री के गृह क्षेत्र में मध्यप्रदेश से आए मजदूरों के साथ वन विभाग ने ऐसा कारनामा कर दिया कि वे अपनी मेहनत के पैसे वसूलने के लिए दर-दर की ठोकर खा रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक किसी ने न्याय नहीं दिलाया। वे परिवार सहित खुले आसमान के नीचे सचिवालय के बाहर पड़े हुए हैं, लेकिन अधिकारी उनकी सुनने को तैयार नहीं है।

मामले के अलवर के राजगढ़ तहसील के परवेणी और अन्य क्षेत्र में वन विभाग ने पेड़ लगवाने के लिए मध्यप्रदेश के मजदूरों को लगाया और उनसे गड्ढे खुदवा लिए। बाद में जब भुगतान का समय आया तो उनसे कहा कि अभी बजट नहीं आया है, आएगा तो पैसे देंगे। उन्हें गांव भेजने के लिए रैंजर ने करीब 26 हजार रूपये दे दिए, लेकिन मजदूर अपना मेहनताना मागने पर अड़े रहे। रैंजर द्वारा दिए पैसे कुछ ही समय में समाप्त हो गए, अब उनके पास खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। ऐसी गर्मी में वे खुले आसमान के नीचे अपने मेहनत के पैसे प्राप्ति की उम्मीद में जिला प्रशासन के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई भी अधिकारी उन्हें भुगतान कराने में सहायता नहीं कर रहा।

मजदूरों का कहना है कि अगर वन विभाग के रैंजर काम से पहले ही बता देते कि आपको बजट आने पर ही पैसा मिलेगा तो वे शायद इस काम को नहीं करते। अन्य जगह मजदूरी करते लेकिन विभाग के रैंजर ने उन्हें गुमराह कर सारे गड्ढे खुदवा लिए। अब वे भुगतान के लिए भटक रहे हैं। उनके साथ महिलाएं और बच्चे भी हैं जो सचिवालय के बाहर पड़े हैं। वे अपनी शिकायत लेकर वन मंत्री संजय शर्मा के पीए मनोज गुप्ता से भी मिले, लेकिन वे भी उनका दुख दूर नहीं कर पाए।

मजदूरों का कहना है कि करीब एक महीने पहले उन्हें पौधारोपण के लिए गड्ढे खोदने का काम दिया गया था। 15 रुपये प्रति गड्ढा की दर से भुगतान तय हुआ था। मजदूर करण ने बताया कि सभी मजदूरों ने मिलकर एक महीने में 16,120 गड्ढे तैयार किए, जिसके एवज में 2 लाख 41 हजार 800 रुपये का भुगतान बनता है। हालांकि उन्हें केवल 26 हजार रुपये ही मिले, जबकि करीब 2 लाख 15 हजार रुपये अब भी बकाया है। आरोप है कि काम पूरा होने के बाद अधिकारियों ने भुगतान देने से इनकार कर दिया और घर लौट जाने को कहा।

मामले में रैंजर राहुल फौजदार ने कहा कि मजदूर उनके माध्यम से नहीं आए थे। उनका दावा है कि भुगतान का बिल डीएफओ राजेंद्र हुड्डा को भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह कार्य वीएपीएमसी समिति के माध्यम से कराया जाता है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि मजदूरों द्वारा बताए गए कार्य के अनुसार गड्ढे खोदे गए हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा कि इसकी जांच करवाई जाएगी।

रैंजर के इस बयान ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि काम की मात्रा की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, तो फिर भुगतान का बिल किस आधार पर तैयार कर आगे भेजा गया। आमतौर पर बिल तैयार होने से पहले कार्य का सत्यापन किया जाता है और यह देखा जाता है कि जितना भुगतान प्रस्तावित है, उतना कार्य वास्तव में हुआ भी है या नहीं। ऐसे में मजदूरों की मजदूरी अटकने और जिम्मेदार अधिकारियों के बयानों को लेकर मामला विवादों में आ गया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। थाना चिकसाना पुलिस ने नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने एक युवक को कलैक्ट्रेट कार्यालय में कनिष्ठ लिपिक की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 11 लाख 90 हजार रुपये हड़प लिए थे।

पुलिस के अनुसार थाना चिकसाना क्षेत्र के गांव खैमरा खुर्द निवासी सुरेशचन्द पुत्र रामखिलाड़ी (55) ने गत 17 मार्च को थाना चिकसाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि जीतेन्द्र कुमार पुत्र परशुराम, निवासी गावड़ी थाना चिकसाना, हाल गोविन्द नगर थाना मथुरागेट ने उनके पुत्र को कलैक्ट्रेट कार्यालय में कनिष्ठ लिपिक की सरकारी नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया था। आरोपी ने नौकरी दिलाने के नाम पर विभिन्न किश्तों में प्रार्थी से 11 लाख 90 हजार रुपये ले लिए। काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो नौकरी लगवाई गई और न ही रुपये वापस किए गए। जब पीड़ित पक्ष को अपने साथ ठगी होने का एहसास हुआ तो उन्होंने पुलिस की शरण ली। मामले में थाना चिकसाना पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की जांच के दौरान पुलिस टीम ने नामजद आरोपी जीतेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

Office Of The Panchayat samiti Sayla (Jalore)

No. 101 Date: 02.06.2026

Notice Of Inviting Bid

Bid For Rate Contract Of Construction Material suppply Under MGNAREGA/VBG-G RAM G And Work Tenders Of Various Work As below are invited from interested bidders under Various Work As below are Invited from Interested bidders under various gram panchayars of panchayat samiti sayla, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) Of the state and notice board of this office.

NAME OF GRAM PANCHAYAT	UBIN	ESTIMATE BID COST	LAST DATE OF BID SUBMISSION
G.P. AAWLOJ (MATERIAL RC)	ZJR2627GLRC00253	100.00 LAKH	10.06.2026, 6 PM
G.P. VALERA (WORK TENDER)	ZJR2627WSOB00260	10.00 LAKH	11.06.2026. 6 PM
G.P. ALASAN (WORK TENDER)	ZJR2627WSOB00267	08.00 LAKH	08.06.2026. 6 PM
G.P. BALWADA (WORK TENDER)	ZJR2627WSOB00265	02.13 LAKH	10.06.2026. 6 PM
G.P. DANGRA (WORK TENDER)	ZJR2627WSOB00266	02.13 LAKH	10.06.2026. 6 PM

BDO Cum Program Officer (EGS)
Panchayat samiti Sayla (Jalore)

DIPR/C/9882/2026

तीन मंजिला अवैध निर्माण सीज

जयपुर। नगर निगम के सिविल लाइंस जोन की टीम ने मंगलवार को विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पास एक अवैध निर्माण को सीज किया। निगम अधिकारियों ने बताया कि भूखंड पर नियमों के विपरीत बेसमेंट सहित तीन मंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा था। सिविल लाइंस जोन के उपायुक्त सुनील कुमार बैरवा ने बताया कि विवेक विहार मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर-87 के सामने स्थित गोवर्धन कॉलोनी के भूखंड संख्या एफ-6 निर्माण निर्धारित नियमों और स्वीकृत मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूखंड मालिक को पहले भी नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद मौके पर निर्माण कार्य जारी रखा गया। बार-बार चेतावनी और नोटिस की अवहेलना किए जाने के बाद निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए भवन को सीज करने की कार्रवाई की।

बीमा कंपनी व बैंक पर 11 लाख रु. हर्जाना लगाया

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने बीमा पॉलिसी की प्रीमियम राशि लेने के बाद भी क्लेम दावों का निस्तारण नहीं करने को गंभीर लापरवाही व सेवादोष करार दिया है। वहीं आयोग ने इस लापरवाही पर एचडीएफसी लाइफ स्टैंडर्ड इंश्योरेंस कंपनी पर दस लाख रुपए और दी जयपुर सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाते हुए यह राशि राज्य उपभोक्ता आयोग के राजकोष में जमा करवाने का निर्देश दिया है। साथ ही विपक्षी बीमा कंपनी को निर्देश दिया है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 24 लाख रुपए ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर लौटे डॉक्टर समेत दो आरोपी गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर की श्याम नगर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम (डीएसटी) दक्षिण ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार

- **आरोपियों के कब्जे से 32 डेबिट कार्ड और बैंकिंग दस्तावेज बरामद**

आरोपियों में कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर चुका गणेश चौधरी और उसके सहयोगी दुष्यंत जांगिड़ शामिल हैं। गिरोह महिला डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 24 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में वांछित था।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गणेश चौधरी (29) निवासी कोतवाली बाड़मेर हाल वैशाली उत्सव अपार्टमेंट, करणी विहार तथा दुष्यंत जांगिड़ (32) निवासी हसनपुरा सदर हैं। गणेश गिरोह का प्रमुख सदस्य है, जबकि दुष्यंत साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 32 डेबिट कार्ड, 12 चेकबुक, 9 पासबुक, 8 सिम कार्ड, 2 रबर स्टाम्प, 5 मोबाइल फोन तथा 1.27 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं।

महिला डॉक्टर से 24 लाख की ठगी

सहायक पुलिस आयुक्त (सोडाला) सुनील प्रसाद शर्मा के अनुसार श्याम नगर थाने में 22 दिसंबर 2025 को डॉ. सुरेखा लोबा ने मामला दर्ज कराया था। उन्होंने शिकायत में बताया कि 15 दिसंबर को व्हाट्सएप कॉल और संदेशों के जरिए

उन्हें डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया गया। खुद को सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर ठगों ने उन्हें और उनके परिवार को गिरफ्तार करने की धमकी दी तथा भयभीत कर 24 लाख रुपए विभिन्न बैंक खातों में आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर करवा लिए।

विदेश में पढ़ने वाले छात्रों के खातों का करते थे इस्तेमाल

जांच में सामने आया कि आरोपी विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के बैंक खातों का दुरुपयोग करते थे। इन खातों में ठगी की रकम जमा कर क्रिप्टो करेंसी यूएसडीटी (यूएस डॉलर टेथर) खरीदी जाती थी, जिससे रकम का स्त्रोत छिपाया जा सके। बाद में यूएसडीटी को ऑनलाइन बेचकर राशि अन्य खातों में राशि स्थानांतरित कर दी जाती थी। पुलिस के अनुसार गिरोह के खिलाफ देशभर में साइबर पोर्टल पर 100 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। आरोपियों द्वारा विभिन्न राज्यों में बैंक खाते किराए पर लेकर उनमें ठगी की रकम जमा कराई जाती थी।

कजाकिस्तान से पढ़ाई कर लौटे आरोपी

डीसीपी राजर्षि राज ने बताया कि गणेश चौधरी वर्ष 2021 में कजाकिस्तान से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर भारत लौटा था। उसने सिरोही के सरकारी अस्पताल में इंटर्नशिप भी की। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह का फरार मास्टरमाइंड सुनील विश्नोई उर्फ कार्तिक भी कजाकिस्तान से एमबीबीएस कर चुका है।

फर्जी दस्तावेजों से खुलवाए खाते

पुलिस के अनुसार मास्टरमाइंड सुनील विश्नोई फर्जी नाम-पते से आधार कार्ड बनवाकर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाता था। किरायानामों के आधार पर पते बदलकर खोले गए इन खातों का उपयोग साइबर ठगी की रकम को ठिकाने लगाने में किया जाता था।

तकनीकी जांच से मिली सफलता

सहायक पुलिस आयुक्त (सोडाला) सुनील प्रसाद शर्मा के सुपरविजन में श्याम नगर थानाधिकारी दलबीर सिंह और डीएसटी प्रभारी विशम्भर दयाल के नेतृत्व में गठित टीम ने बैंक खातों और डिजिटल ट्रांजेक्शन की तकनीकी जांच की। जांच के दौरान दिल्ली के करोल बाग स्थित बैंक खातों की कड़ियां मिलने पर कार्रवाई आगे बढ़ाई गई और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।पुलिस फरार मास्टरमाइंड सुनील विश्नोई समेत गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। मामले में साइबर अपराध, धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में जांच जारी है।

राजस्थान में 3 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को 426 करोड़ रुपये का ऋण वितरण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ''पीएम स्वनिधि योजना'' बनी आत्मनिर्भरता की नई पहचान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। यह योजना लाखों रेहड़ी-पटरी एवं फुटपाथ विक्रेताओं को आर्थिक संबल तो प्रदान कर ही रही है, साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी उपलब्ध करा रही है।

प्रदेश में योजना के तहत पात्र 3 लाख 62 हजार 565 आवेदकों में से अब तक 3 लाख 6 हजार 255 लाभार्थियों को 439 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया जा चुका है। इनमें से 3 लाख से अधिक लाभार्थियों को 428 करोड़ 93 लाख रुपये से अधिक की राशि का ऋण वितरण भी किया जा चुका है। यह उपलब्धि प्रदेश की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्यान्वयन का सशक्त प्रमाण है।

उल्लेखनीय है कि अब तक प्रदेश के 1.64 लाख से अधिक स्वनिधि योजना के लाभार्थियों ने समय पर अपना ऋण चुकाकर आर्थिक

- **6 करोड़ से अधिक की ब्याज सब्सिडी और 10 करोड़ से अधिक कैशबैक से किया गया लाभान्वित**
- **लाखों परिवारों के जीवन में आया सकारात्मक आर्थिक और सामाजिक बदलाव**

अनुशासन और आत्मसम्मान का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। पीएम स्वनिधि योजना समय पर और शीघ्र ऋण चुकाने को प्रोत्साहित करती है। इसके तहत लाभार्थियों को 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाती है। राजस्थान में समय पर ऋण पुनर्भुगतान करने वाले लाभार्थियों के खातों में अब तक 6.57 करोड़ रुपये से अधिक की ब्याज सब्सिडी सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। इसके अलावा, अपने ऋण को समय पर चुकता करने वाले रेहड़ी पटरी लगाने वाले विक्रेता अगले चरण में अधिक राशि के ऋण के लिए पात्र हो जाते हैं।

पीएम स्वनिधि योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जयपुर शहर में 60 हजार से अधिक तो वहीं, जोधपुर शहर में 18 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स ने इस योजना के लिए आवेदन किया है। इतना ही नहीं बीकानेर शहर में 14 हजार 68 , अजमेर शहर में 13 हजार 165, उदयपुर शहर में 10 हजार 665 सहित भीलवाड़ा, अलवर, श्रीगंगानगर, भरतपुर, हनुमानगढ़, ब्यावर और सवाईमाधोपुर शहरों के अलावा बाड़मेर, मकराना, दौसा, जैसलमेर, बालोतरा, सरदारशहर, राजसमंद, झालावाड़ा, सूरतगढ़, करौली सरीखे छोटे निकायों में भी हजारों की संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना के लाभांवित हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में अब तक 84 फीसदी से अधिक आवेदकों को योजना के तहत ऋण स्वीकृत किया जा चुका है वहीं, शेष आवेदकों को ऋण वितरण के लिए आवश्यक कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

खाद्य सचिव अंबरीश कुमार के जमानती वारंट जारी

जयपुर। राज्य सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने सेवा संबंधी मामले में दिए अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर खाद्य सचिव अंबरीश कुमार को जमानती वारंट से तलब किया है। इसके साथ ही अधिकरण ने उन्हें 12 जून को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। अधिकरण ने यह आदेश सरोज मीणा के अवमानना प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए।

पीठासीन अधिकारी पूरम दरगन और प्रकाश चन्द्र शर्मा ने अपने आदेश में कहा कि गत 4 जून को खाद्य सचिव अंबरीश कुमार को अधिकरण के समक्ष पेश होने के आदेश दिए गए थे। इस संबंध में जारी समन की तामील भी अंबरीश कुमार पर हो गई है। इसके बावजूद वे अधिकरण के समक्ष पेश नहीं हुए और ना ही उनकी ओर से अधिकरण में गैरहाजिर होने के संबंध में कोई कारण बताया गया।

शराब ठेके पर वाहनों में आग लगाने वाला दबोचा

जयपुर। जयपुर पुलिस की कमिश्नरेट स्पेशल टीम ने महेश नगर क्षेत्र में शराब ठेके पर तोड़फोड़, वाहनों में आगजनी और उपद्रव की वारदात में वांछित 5000 के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजेंद्र कुमार वैष्णव के रूप में हुई है, जो लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस उपायुक्त संजीव नैन ने बताया कि 30 मार्च 2026 को एक महिला परिवादिया ने महेश नगर थाने में मामला दर्ज कराया था।

सार-समाचार

श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा शुरू

जयपुर। जनमानस में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और संस्कारित जीवन के प्रति जागरूकता का प्रसार करने के उद्देश्य से किरण पथ मानसरोवर स्थित वेदना निवारण केन्द्र पर मंगलवार को कलश यात्रा के साथ श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा का शुभारंभ हुआ। वरुण देवता के पूजन साथ कलश यात्रा स्वर्ण पथ स्थित मातेश्वरी मंदिर से रवाना हुई। चालो चालो सुहागन नार कलश सिर धारण करो गीत की स्वर लहरियों के बीच निकली कलश यात्रा में पीली साडी पहनी महिलाएं सिर पर मंगल कलश लेकर चल रहीं थी। वहीं पुरुष ओम अंकित पीला ध्वज थामे हम बदलेंगे युग बदलेगा, हम सुधरेंगे युग सुधरेगा का जयघोष करते चल रहे थे। मध्यम मार्ग होते हुए कलश यात्रा वेदना निवारण केन्द्र पहुंची। यहां कलशों की आरती उतारी गई। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल, ट्रस्टी सतीश भाटी, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड के मुख्य ट्रस्टी धर्म सिंह राजावत, वेदना निवारण केन्द्र के व्यवस्थापक आर डी गुप्ता, केदार शर्मा, ललिता शर्मा एवं अन्य ने वेदमाता गायत्री और गुरु सत्ता के चित्र के समक्ष पूजन कर प्रज्ञा पुराण का शुभारंभ किया। शांतिकुंज हरिद्वार के पुष्कर जोन की टोली के साथ गोपाल स्वामी ने प्रज्ञा पुराण का श्रवण कराया। व्यासपीठ से गोपाल स्वामी ने कहा कि भारतीय इतिहास-पुराणों में मनुष्य के सम्मुख आने वाली अगणित समस्याओं के समाधान विद्यमान हैं। सभी 18 पुराणों का सार प्रज्ञा पुराण में है। इसकी रचना युग ऋषि पं. श्रीराम शर्मा ने युग की समस्याओं के निराकरण के लिए किया।

एक प्लॉट का दो बार सौदा कर 60 लाख रुपए ठगने वाले पति-पत्नी गिरफ्तार

जयपुर। महेश नगर पुलिस ने वर्ष 2025 से फरार चल रहे 5-5 हजार रुपए के दो इनामी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक ही प्लॉट का दो अलग-अलग व्यक्तियों से इकरारनामा कर करीब 60 लाख रुपए की धोखाधड़ी की थी। वारदात के बाद दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में पहचान छिपाकर रह रहे थे। पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महावीर स्वामी कॉलोनी, करतारपुरा निवासी महेश सिंह और उसकी पत्नी रेखा के रूप में हुई है। आरोपियों ने परिवादी घनश्याम सिंह जांगिड़ से अपने प्लॉट का सौदा कर 20 लाख रुपए प्राप्त किए। इसके बाद उसी प्लॉट का दूसरा इकरारनामा परिवादी राजू वर्मा के साथ कर उससे 39.51 लाख रुपए ले लिए। इस तरह दोनों ने करीब 60 लाख रुपए की ठगी कर मोबाइल बंद कर लिए और फरार हो गए। पुलिस के अनुसार महेश नगर थाने में दर्ज प्रकरण में दोनों आरोपी वांछित चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी पर 5-5 हजार रुपए का इनाम घोषित था। ठगी के बाद दोनों उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में किराए का मकान लेकर रह रहे थे। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की मदद से उनकी लोकेशन का पता लगाया और फिरोजाबाद से गिरफ्तार कर लिया।पुलिस आरोपियों से अन्य संभावित धोखाधडी के मामलों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में एएसआई धर्मपाल सिंह, हेड कांस्टेबल भीम सिंह, साइबर सेल के हेड कांस्टेबल लोकेश कुमार, कांस्टेबल अंकित कुमार, महिला कांस्टेबल सुनीता तथा कांस्टेबल जितेंद्र शामिल रहे।

28 साल बाद इनामी डकैत गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने 28 वर्ष पुराने डकैती के मामले में फरार चल रहे एक इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। बगरू थाना पुलिस ने राज्यव्यापी विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से शातिर आरोपी भीष्म उर्फ भीम उर्फ भूपेंद्र (49) को गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 1998 से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी पहचान बदलकर रह रहा था। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपी मूल रूप से गाजियाबाद के मोदीनगर क्षेत्र का निवासी है। उसने वर्ष 1998 में अपने साथियों के साथ मिलकर बगरू स्थित एक चाय एवं सिगरेट गोदाम में हथियारबंद डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद से वह लगातार फरार था। उसकी गिरफ्तारी नहीं होने पर तत्कालीन जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने वर्ष 2003 में उस पर एक हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

राज्यसभा चुनाव 2026 : सभी 9 नामांकन पत्र सही पाए गए

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा की 3 सीटों के लिए होने वाले द्विवार्षिक निर्वाचन के तहत दाखिल किए गए सभी नौ नामांकन पत्रों की मंगलवार को विधानसभा परिसर में जांच की गई। जांच के दौरान सभी नामांकन पत्र वैध और सही पाए गए। रिटर्निंग ऑफिसर भारत भूषण शर्मा ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रत्याशी नीरज डांगी द्वारा दाखिल तीन नामांकन पत्रों तथा भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी अलका सिंह के दो और भाजपा प्रत्याशी डॉ. सतीश पूनिया के चार नामांकन पत्रों की विस्तार से जांच की गई। यह प्रक्रिया अभ्यर्थियों, प्रस्तावकों और निर्वाचन अभिकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुई।

31 साल पहले हटाए गए सैन्य कर्मी को पेंशन देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 31 साल पहले सेवा से हटाए गए सैन्यकर्मी को दिव्यांग पेंशन देने के आदेश दिए हैं। अदालत ने माना कि कि याचिकाकर्ता सेना में भर्ती होते समय स्वस्थ था और सेवा के दौरान वह बीमार हुआ। इसलिए माना जाएगा की बीमारी सैन्य सेवा के दौरान उत्पन्न हुई। ऐसे में मेडिकल बोर्ड नहीं बनाना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है। अब मेडिकल बोर्ड बनाना संभव नहीं है, ऐसे में याचिकाकर्ता को याचिका दायर करने की तारीख से तीन साल पहले से बकाया पेंशन दी जाए। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश ओमप्रकाश की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता असलम खान ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जून, 1984 में सेना में सिपाही के तौर पर नियुक्त हुआ था। करीब 11 साल की सेवा के बाद जून, 1995 को उसे अनडिजायरेबल सोल्जर मानते हुए सेवा से हटा दिया था। जिसे याचिकाकर्ता ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में चुनौती दी थी। न्यायाधिकरण की ओर से अगस्त, 2022 में याचिका को देरी के आधार पर खारिज करने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में कहा गया कि सेवा के दौरान वह गंभीर बीमार हो गया था।

ऐसे में उसकी वास्तविक स्थिति को छिपाया गया और उसे सेना से हटाते हुए पेंशन से वंचित कर दिया गया। जबकि सेना ने इसके लिए मेडिकल बोर्ड भी नहीं बनाया। इसके अलावा दस साल की सेवा पूरी होने पर वह दिव्यांग पेंशन का अधिकारी है। इसका विरोध करते हुए सेना की ओर से कहा गया कि उसके रिकॉर्ड में पांच नकारात्मक एंट्री होने के चलते उसे पेंशन से वंचित किया गया है और याचिका भी देरी से पेश हुई है।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता को पेंशन के पात्र मानते हुए उसे पेंशन जारी करने को कहा है।

जेजेएम घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी का प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 ने जल जीवन मिशन में करोड़ों रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। जोशी ने प्रार्थना पत्र में अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए रिहा करने के गुहार की थी। पीठासीन अधिकारी राजेश कुमार दडिया ने अपने आदेश में कहा कि महेश जोशी को हिरासत में लेते समय उनके परिजन मौजूद थे। इसके बाद जोशी को गिरफ्तार करते समय फोन के जरिए उनके बेटे को सूचना दी गई थी। इसके अलावा आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड मांगते समय यह प्रार्थना पत्र स्वयं आरोपी के अधिवक्ता ने पेश किया था। ऐसे में आरोपी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाता है।

- **जोशी ने प्रार्थना पत्र में अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए रिहा करने के गुहार की थी**

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि कानून के प्रावधानों के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार और रिमांड पर लेते समय इसकी लिखित जानकारी और आधार आरोपी के परिजनों या उसके वकील को देना बाध्यकारी है। यह प्रक्रिया नहीं अपनाने पर गिरफ्तारी अवैध हो जाती है। प्रार्थी के मामले में भी इस प्रावधान की पालना नहीं हुई है। ऐसे में अवैध गिरफ्तारी होने के कारण उसे रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक मंजुला जैन ने कहा कि गत 6 मई को एसीबी ने एक हुकमनामा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र को देकर निर्देश दिया गया कि महेश जोशी को डिटेन किया जाए। इसमें हुकमनामा में गिरफ्तारी के आधार और आरोप लिखे गए थे। इसकी पालना में 7 मई को जोशी को घर से हिरासत में लिया गया। इस दौरान उनके परिजन मौके पर पर मौजूद थे। इसके बाद एसीबी मुख्यालय पहुंच कर उन्हें गिरफ्तार किया गया और उसकी सूचना आरोपी के बेटे के मोबाइल पर दी गई। इसके बाद गिरफ्तारी की सूचना पुन: उनके बेटे को दी गई। अभियोजन पक्ष की ओर से यह भी बताया गया कि आरोपी को अदालत में पेश करने के लिए रवाना होते समय भी इसकी सूचना परिजनों को दी गई और अदालत पहुंचने के बाद भी फिर से उनके बेटे को सूचना दी गई। गिरफ्तारी की फर्द में गिरफ्तारी के आधार स्पष्ट रूप से लिखे गए थे।

जिस पर उच्च शिक्षित और कैबिनेट मंत्री रहे महेश जोशी के हस्ताक्षर हैं। ऐसे में इस आधार पर उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के सुनने के बाद अदालत ने जोशी के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

गौरतलब है कि समान आधार पर जोशी के बेटे रोहित जोशी ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। जिस पर बुधवार को सुनवाई होनी है।

आरआरटीएस का विस्तार अब राजस्थान में भी, प्रथम चरण में जुड़ेगा बहरोड़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों से दिल्ली-गुरुग्राम-रेवाड़ी-एसएनबी-बहरोड़ आरआरटीएस कॉरिडोर (रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम-आरआरटीएस) के राजस्थान खण्ड के क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। प्रथम चरण में इसे बहरोड़ तक बनाया जा रहा है तथा इसी के आधार पर परियोजना लागत एवं वित्तीय ढांचा तैयार करने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

इस परियोजना के संबंध में हरियाणा एवं राजस्थान के मध्य लागत साझेदारी पर दोनों राज्यों ने

- **प्रस्तावित आरआरटीएस कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 130 किलोमीटर होगी तथा इसमें कुल 19 स्टेशन विकसित किए जाएंगे।**

सहमति दे दी है। अब बावल से राजस्थान सीमा तक के खण्ड की परियोजना लागत का 50 प्रतिशत भाग हरियाणा सरकार द्वारा ही वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राजस्थान सीमा से बहरोड़ तक के खण्ड की सम्पूर्ण लागत राजस्थान सरकार एवं उसकी संबद्ध संस्थाओं द्वारा वहन की जाएगी।

प्रस्तावित आरआरटीएस कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 130 किलोमीटर होगी तथा इसमें कुल 19 स्टेशन विकसित किए जाएंगे। राजस्थान में इस परियोजना के अंतर्गत तीन स्टेशन शाहजहाँपुर, नीमराना तथा बहरोड में स्थापित किए जाने प्रस्तावित हैं। यह परियोजना राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र के लिये लाईफ लाईन साबित होगी।

नंदपुरी में दूसरे दिन भी हटाए एक दर्जन से ज्यादा अतिक्रमण

80 फीट चौड़ी सड़क को अतिक्रमण मुक्त करवाने की कार्रवाई जारी

जयपुर। नंदपुरी में सड़क चौड़ी करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की मंगलवार को दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी रही। यह कार्रवाई नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी सड़क की चौड़ाई 80 फीट करने के लिए की जा रही है। क्षेत्र में धारा 163 लागू है। मंगलवार को जेडीए की प्रवर्तन शाखा, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में एक दर्जन से अधिक अवैध निर्माण हटाए गए। जेडीए दस्ते ने सबसे पहले सड़क सीमा में आ रहे अवैध निर्माणों को चिह्नित किया, इसके बाद उन्हें हटाना शुरू किया। इस दौरान सड़क क्षेत्र में बने एक धार्मिक स्थल की दीवार और चबूतरे को हटाया गया। अन्य स्थानों पर पूर्व में हटाए गए निर्माणों और धार्मिक स्थलों के मलबे को भी साफ कराया गया। इससे पहले सोमवार को 5 धार्मिक स्थल समेत 128 अवैध निर्माण हटाए गए थे। जेडीए की कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में रखा। बडी संख्या में पुलिसकर्मी, स्पेशल टास्क फोर्स के जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए कार्रवाई क्षेत्र में आम लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई। किसी को भी कार्रवाई स्थल के आसपास रुकने की अनुमति नहीं दी गई। जेडीए अधिकारियों ने बताया कि सड़क सीमा में आने वाले अवैध निर्माणों को हटाकर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और मास्टर प्लान के अनुरूप विकास कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

90वीं वर्षगांठ पर पद्मभूषण डॉ. डी.आर.मेहता का सम्मान

जयपुर। पद्मभूषण और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता की 90वीं वर्षगांठ पर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यकारी अध्यक्ष चार्टर्ड एकाउंटेंट एस.एस. भण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में पूर्व लोकायुक्त एस.एस. कोठारी, पूर्व मुख्य सचिव सी.एस. राजन, उद्योगपति किशोर रुंगटा, बसन्त खेतान, सरोज खेमका, जुगल किशोर वैद, कमल वैद आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने डी.आर. मेहता की 90वीं सालगिरह पर उनके पिछले 50 वर्षों से अधिक किए गए सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की और विकलांगों के पुर्नवास के लिए किए गए उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अब तक देश और विदेशों के 25 लाख लोगों का पुर्नवास उनके द्वारा की गई सेवाओं का ही सुपरिणाम है। उन्होंने कहा कि आज जयपुर फुट के देश में जहाँ 35 केन्द्र चल रहे हैं वहीं 50 देशों में जयपुर फुट के पदचिन्ह देखे जा सकते हैं। प्रति वर्ष देशभर में 35 हजार से अधिक दिव्यांगों का पुर्नवास किया जाता है। एस.एस. भण्डारी ने कहा कि डी.आर. मेहता ने विश्व भर में जयपुर फुट के कारण भारत की पहचान बनाई है और एशिया, अफ्रीका तथा वेस्टइण्डीज के देशों में 40 हजार से अधिक विकलांग आज जयपुर फुट के कारण चलने-फिरने लगे हैं। इसके अलावा तीन अन्तर्राष्ट्रीय स्थाई केन्द्र भी संचालित हैं।

मुख्यमंत्री आज मोतीडूंगरी गणेश मंदिर की महाआरती में शामिल होंगे

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे विशेष अभियान '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' के अंतर्गत बुधवार को प्रदेशभर के मंदिरों में महाआरती का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार सुबह 8 बजे जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में आयोजित महाआरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना करेंगे। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों और नगरों के मंदिरों में भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक महाआरती का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 5 जून से 21 जून तक चलने वाले विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरूकता अभियान का हिस्सा है। अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल में हुए।

पाटन में ग्रामीणों ने जोहड़ बचाने का संकल्प लिया

पाटन (निसं)। डोकण में बाबा मीठाराम जोहड़ परिसर में सोमवार को जोहड़ बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने जोहड के आसपास स्थित खाली भूमि में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और जल स्त्रोतों के संवर्धन का संदेश दिया।

इससे पूर्व भी यहां सैकड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं, जिनकी छांव बाबा मीठाराम के वार्षिक मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए राहत का साधन बनती है। संघर्ष समिति द्वारा वर्तमान में जोहड बचाओ अभियान भी चलाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित हाईवे मार्ग को जोहड़ भूमि से निकालने की योजना से गौशाला, सरकारी अस्पताल तथा कई आवासीय मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। इस संबंध में कांग्रेस नेता मनीष चतुर्वेदी द्वारा नीम का थाना एसडीएम के माध्यम से उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा जा चुका है। समिति के अध्यक्ष महामंडलेश्वर बजरंग दास महाराज, सचिव रामोतार मीणा, रामजीलाल गुर्जर एडवोकेट, वीरेन्द्र कुमावत, पूर्व सरपंच एवं भाजपा नेता भंवर सिंह सहित अनेक ग्रामीणों ने अभियान को और तेज करने का संकल्प लिया। उनका कहना है कि क्षेत्र में अधिकाधिक पौधे लगाए जा रहे हैं ताकि अमृत सरोवर के रूप में पहचान रखने वाले इस जोहड में पशु-पक्षियों को ठंडा पानी एवं बेहतर प्राकृतिक वातावरण मिल सके।ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि बाबा मीठाराम जोहड़ केवल जल स्त्रोत नहीं बल्कि क्षेत्र के पशु-पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं का भी आश्रय स्थल है।

इसलिए किसी भी परिस्थिति में सडक को जोहड के भीतर से नहीं गुजरने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से जो पुराना मार्ग उपयोग में है, उसी पर सडक का निर्माण किया जाना चाहिए। ग्रामीणों की एकजुटता इस मुद्दे पर साफ दिखाई दे रही है। हाल ही में आयोजित कलक्टर चौपाल में भी यह विषय प्रमुखता से उठाया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जोहड़ क्षेत्र से छेडछाड की गई तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा।

डिंपल खत्री हत्याकांड : जीनगर समाज ने आक्रोश जताया

नोहर, (निसं)। मोहाली (पटियाला) में कार्यस्थल पर जीनगर समाज की बेटी डिंपल खत्री की हुई नृशंस हत्या ने पूरे देश में आक्रोश भर दिया है। इस जघन्य वारदात के विरोध में मंगलवार को नोहर के जीनगर नवयुवक मंडल ने उग्र प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समाज ने मांग की कि इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हो और दरिंदों को जल्द से जल्द फांसी के फंदे तक पहुंचाया जाए।

ज्ञात रहे कि गत 4 जून 2026 को मोहाली में आरोपी हेरीमान ने डिंपल खत्री की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी थी। इस घटना से न केवल जीनगर समाज, बल्कि आमजन में भी भारी रोष है। जीनगर नवयुवक मंडल के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि केवल गिरफ्तारी काफी नहीं है, न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे। फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले की सुनवाई कर जल्द से जल्द निर्णय लिया जाए। घटना के हर पहलू की निष्पक्ष जांच हो और सभी तथ्य सार्वजनिक किए जाएं।

नोहर में जीनगर नवयुवक मंडल ने प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

लापरवाही पर कार्रवाई कार्यस्थल पर सुरक्षा में हुई चूक के लिए जिम्मेदार प्रबंधन और अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही हो। पीडित परिवार को राहत प्रदान करते हुए उचित आर्थिक सहायता और पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जाए। महिलाओं के कार्यस्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रभावी गाइडलाइन जारी करे। इस दौरान जीनगर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष विजय निर्वाण के नेतृत्व में समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से पूनमचंद सांखला, दुलीचंद डाबी, मदनलाल चौहान, योगेश जोईया, किशनलाल जोईया, पुनीत सांखला, मोहनलाल डाबी, बृजलाल निर्वाण, विजय सोलंकी, प्रेम जोईया, डालचंद निर्वाण, भवानी शंकर जोईया, बाबूलाल जोईया, हरिराम चौहान एवं दलीप निर्वाण शामिल थे।

सार-समाचार

जंगली जानवर ने तीन बकरियों का शिकार किया

खेतड़ी (निसं)। खेतड़ी उपखंड के लूना की ढाणी में मंगलवार को जंगली जानवर ने तीन बकरियों पर हमला कर दिया। जंगली जानवर के हमले से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार जंगली जानवर ने पशुपालक प्रभु दयाल गुर्जर की तीन बकरियों पर हमला कर दिया, जिसमें एक बकरी की मौके पर ही मौत हो गई, एक बकरी को पैंथर उठाकर ले गया तथा एक अन्य बकरी गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी के अनुसार बाड़े के पास चर रही बकरियों को अपना शिकार बनाया गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर जंगली की तलाश और मवेशियों की जंगली जानवरों से सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की। सूचना मिलने पर वन विभाग के रेंजर पवन सिंह शेखावत अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग की टीम ने पगमार्क और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। विभाग द्वारा आसपास के क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई गई है तथा ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके बाद पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. अशोक जांगिड़ भी मौके पर पहुंचे और घायल बकरी की स्थिति का जायजा लिया। पुलिस टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही बढ़ी है, जिससे पशुधन को खतरा बना हुआ है। उन्होंने वन विभाग से जंगली जानवरों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

शिक्षामंत्री कल सीकर दौरे पर

सीकर (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर 11 जून को शेखावाटी विश्वविद्यालय कटराथल में आएंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्री दिलावर 10 जून की रात्रि कोटा से ट्रेन द्वारा प्रस्थान कर 11 जून को प्रात: 6.50 बजे सीकर जंक्शन पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री दिलावर इसके बाद शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर का भ्रमण करेंगे तथा मण्डावा के लिए प्रस्थान कर जायेंगे।

सार-समाचार

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

नोहर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के एक शिष्टमंडल ने मंगलवार को पालिका प्रशासक एवं उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव से मुलाकात कर कस्बे की बदहाल व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग की। भाजपा नेताओं ने प्रशासनिक अधिकारी को एक सुझाव पत्र सौंपते हुए शहर में व्याप्त समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। स्ट्रीट लाइट और पेयजल पर जोर देते हुए पूर्व मंडल अध्यक्ष बसंत तिवाड़ी ने प्रशासक का ध्यान रेलवे स्टेशन से टैगोर चौक तक व्याप्त अंधेरे की ओर आकर्षित किया। उन्होंने तत्काल प्रभाव से उक्त मार्ग पर स्ट्रीट लाइटें लगवाने, कस्बे के अन्य क्षेत्रों में खराब पडी लाइटों की मरम्मत करने और नई लाइटों की खरीद प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। वहीं, निवर्तमान पार्षद गंगाराम पारीक ने पेयजल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि पालिका क्षेत्र के अनेक वार्डों में एक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग पूर्व पार्षद सुभाष पारीक ने पालिका द्वारा विभिन्न वार्डों में स्वीकृत विकास कार्यों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद संबंधित फर्मों को कार्यादेश (वर्क ऑर्डर) जारी करने में देरी की जा रही है। उन्होंने प्रशासक से मांग की कि वे ठेकेदारों के साथ संवाद स्थापित कर कार्यादेश जारी करवाएं और स्वीकृत विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करवाना सुनिश्चित करें।

विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित

सीकर, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में पीएम श्री राधा कृष्ण मारू राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, फतेहपुर रोड, सीकर में आयोजित जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन कौशल विकास अभिरुचि एवं हस्तकला-लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविर में सोमवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर का प्रथम बार अवलोकन करने पहुंचीं सीओ गाइड आचू मीणा का सभी कक्षाओं में स्वागत किया गया। प्रार्थना सभा के दौरान उन्होंने अपने संबोधन में बालक-बालिकाओं को कम से कम एक हुनर में दक्ष बनने के लिए प्रेरित किया तथा कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा एवं सीओ गाइड आचू मीणा के मार्गदर्शन में ब्यूटीशियन प्रशिक्षिका किंजल एवं निर्मला सरोलिया के नेतृत्व में ब्यूटीशियन कक्षा में हेयर स्टाइल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में फीजा ने प्रथम, सानिया ने द्वितीय तथा आरूषि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं प्राची शुक्ला एवं गायत्री के नेतृत्व में प्रतिभागियों को नृत्य का अभ्यास भी कराया गया। शिविर के दौरान विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

रोडवेज विश्रामालय में बंद पड़े पंखों से यात्री परेशान

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ रोडवेज बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए पंखे लंबे समय से बंद एवं खराब पड़े होने के कारण यात्रियों को भीषण गर्मी में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों की प्रतीक्षा में घंटों बैठने वाले यात्रियों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को गर्म हवाओं के बीच राहत नहीं मिल पा रही है।क्षेत्रवासियों एवं यात्रियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन भेजकर बस स्टैंड परिसर एवं विश्रामालय में लगे सभी पंखों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें नियमित रूप से चालू करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि गर्मी के इस मौसम में यात्रियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध होना आवश्यक है।इस संबंध में रोडवेज बुकिंग इंचार्ज रणवीर सिंह ने बताया कि विश्रामालय में कई बार शराब के नशे में लोग आकर सो जाते हैं, इसलिए पंखे नहीं चलाए जाते हैं। उनका यह भी कहना है कि विश्रामालय में पंखों की विशेष आवश्यकता नहीं है क्योंकि वहां ठंडी हवाएं आती रहती है। यात्रियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बंद पड़े पंखों को शीघ्र चालू कराया जाना चाहिए।

शक्ति दिवस मनाया

सीकर, (निसं)। राज्य सरकार के अनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत मंगलवार को शक्ति दिवस मनाया गया। बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती, धात्री व अन्य लोगों को अनीमिया से मुक्त रखने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा खून की मात्रा की जांच की गई और खून बढ़ने दवा दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि मंगलवार को जिले के चिकित्सा संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्वास्थ्य कर्मियों ने बच्चों, किशोर किशोरियों, गर्भवती व धात्री महिलाओं की स्क्रीनिंग की।

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर के निकटवर्ती ग्राम पंचायत बण्डवा रोही में प्रस्तावित सोलर प्रोजेक्ट के लिए बड़ी संख्या में खेजड़ी और रोहिडा के पेड़ों की संभावित कटाई को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। सोमवार को दर्जनों किसान एवं ग्रामीण एकजुट होकर राजलदेसर तहसील कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने जोरदार नारेबाजी करते हुए तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौंपकर पर्यावरण संरक्षण की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया कि कुछ दिन पूर्व एकोग्रिड सोलर प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड, गोपालपुरा बाईपास, दुर्गापुरा (जयपुर) द्वारा करीब 400 बीघा भूमि का एग्रीमेंट किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त भूमि पर लगभग 1200 से 1400 खेजड़ी एवं रोहिडा के पेड़ मौजूद हैं। उनका कहना है कि यदि इन पेड़ों की कटाई की जाती है तो इससे पूरे क्षेत्र के पर्यावरण पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ेगा।

साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर लेकर नेटवर्क की जांच शुरू की

सूरजगढ़/झुंझुनूं (निसं)। साइबर अपराधों के खिलाफ झुंझुनूं पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। सूरजगढ़ थाना पुलिस ने बैंक खाते और डिजिटल भुगतान सुविधाओं का दुरुपयोग कर साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल करने वाले आरोपी रवि कुमावत पुत्र श्यामलाल (24) निवासी वार्ड संख्या 25, सूरजगढ़ को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर एक व्यक्ति को झांसे में लेकर उसका मोबाइल और फोन-पे संबंधी जानकारी हासिल की तथा उसके बैंक खाते के माध्यम से करीब 5 लाख रूपये के संदिग्ध ट्रांजेक्शन कराए। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा चिड़ावा वृत्ताधिकारी विकास धींधवाल के सुपरविजन में सूरजगढ़ थानाधिकारी रणजीत सिंह सेवदा के नेतृत्व में गठित टीम ने अंजाम दी।

पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल 2026 को सूरजगढ़ निवासी महेन्द्र सैनी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि रवि कुमावत और उसके साथी अंकित ने उसकी बहन के प्लॉट के लिए राशि जमा कराने का बहाना बनाकर उसका मोबाइल फोन और फोन-पे की जानकारी प्राप्त कर ली। आरोपियों ने मोबाइल एक दिन तक अपने कब्जे में रखा और इस दौरान उसके बैंक खाते तथा डिजिटल भुगतान सुविधाओं का उपयोग किया। कुछ समय बाद महेन्द्र सैनी को अपने बैंक खाते में असामान्य गतिविधियों का पता चला। जांच करने पर खाते में करीब 5 लाख रूपये के संदिग्ध लेन-देन सामने आए तथा खाते पर साइबर होल्ड लगा हुआ पाया गया। जब उसने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने स्वीकार किया कि खाते का उपयोग अन्य लोगों से राशि मंगवाकर आगे ट्रांसफर करने के लिए किया गया था।

प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपियों ने धोखे से मोबाइल और बैंकिंग सुविधाओं तक पहुंच हासिल कर परिवादी के खाते को साइबर अपराध में इस्तेमाल किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस ने परिवादी और गवाहों के बयान दर्ज किए, बैंक स्टेटमेंट का विश्लेषण किया तथा साइबर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की पड़ताल की। आरोपी रवि कुमावत से पूछताछ की गई जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

चूरू (निसं)। शहर के श्री राम मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का मंगलवार को महाआरती, पूर्णाहुति एवं भंडारा प्रसादी के साथ भव्य समापन हुआ। अधिकमास पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन में अंतिम दिन बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वृंदावन के कथा वाचक हरीश ठाकुर महाराज ने कथा के अंतिम दिन भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा के आदर्श मित्रता प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान कृष्ण-सुदामा मिलन प्रसंग पर सुदामा चरित्र की सजीव झांकी प्रस्तुत की गई। झांकी के दर्शन होते ही कथा पंडाल जयघोषों से गूंज उठा। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर कथा श्रवण करते नजर आए। कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। इसके बाद शुकदेव महाराज की विदाई प्रसंग का भी मार्मिक वर्णन किया गया।

बेदख़ली सूचना मनकै रामकुमार पुत्र श्री धन्नाराम जाति जाट निवासी ढढाल खेता तहसील राजगढ जिला चूरू का स्थाई रूप से निवासी हूँ जो निचे लिखे तथ्य शपथ पूर्वक बयान करता हूँ- यह है कि दिनेश कुमार पुत्र श्री रामकुमार जाति जाट निवासी ढढाल खेता तहसील राजगढ जिला चूरू मेरा पुत्र है। जो कि आवारा प्रवृति का है। जो मेरे व मेरे परिवार के कहने में नहीं चलता है। जो मेरे व मेरे परिवार के साथ आये दिन झगडा करता रहता है। यह है कि मेरे बेटे दिनेश कुमार पुत्र श्री रागकुमार का अब मेरे परिवार से कोई किसी तरह का लेना देना नहीं है। और मेरे बेटे दिनेश कुमार का मेरे परिवार के साथ कोई सम्बंध नही रहा है। यह है कि मेरा बेटा दिनेश कुमार भविष्य में मेरे व मेरे परिवार के नाम से कोई किसी भी प्रकार का किसी के साथ कोई लेन देन करता है तो उसके जिम्मेवार मेरा बेटा दिनेश कुमार स्वयं होगा और अन्य किसी प्रकार का अनैतिक कार्य करता है तो उसका जिम्मेवार मेरा बेटा दिनेश कुमार स्वयं होगा। जिसमें मैं और मेरे परिवार के सदस्य जिमेवार नहीं होगे। यह कि मैं मेरे बेटे दिनेश कुमार को मेरी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। यह है कि मैं और मेरा परिवार मेरे बेटे दिनेश कुमार के साथ आज दिनांक 05.06.2026 से सभी प्रकार के रिश्ते नाते खत्म करते है व मेरे बेटे दिनेश कुमार को मैं बेदखल करता है। दिनांक -05.06.2026

शपथग्रहिता-रामकुमार

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 164/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री महेन्द्र कुमार शर्मा निवासी 210 पालवास रोड, रामजी के कुए के पास सीकर जिला सीकर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत परमार्थ सेवा समिति सीकर 210 पालवास रोड, रामजी के कुए के पास सीकर जिला सीकर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 08.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 11.08.2026

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

ट्रायल रूम में महिलाओं के वीडियो बनाने वाला दुकानदार गिरफ्तार

- मोबाइल जब्त, चिड़ावा पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच शुरु की

चिड़ावा, (निसं)। चिड़ावा कस्बे में एक कपड़ा दुकान के ट्रायल रूम में महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दुकानदार को गिरफ्तार कर उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस डिजिटल साक्ष्यों की गहन जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता अपने पति के साथ चिड़ावा स्थित जमजम कलेक्शन पर कपड़े खरीदने गई थी। इस दौरान वह ट्रायल रूम में कपड़े बदल रही थी, तभी उसे ऊपर बने एक छेद से एक युवक मोबाइल फोन के जरिए वीडियो रिकॉर्डिंग करता दिखाई दिया। संदेह होने पर दंपती तुरंत ट्रायल रूम से बाहर आए और संबंधित युवक को पकड़कर उसका मोबाइल फोन चेक किया। मोबाइल में महिला के कपड़े बदलते समय का वीडियो मिलने पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद आरोपी को हिरासत में लिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दुकान संचालक शाहरूख शेख (28) पुत्र शेर मोहम्मद शेख निवासी पुरानी बस्ती, चिड़ावा, ट्रायल रूम में महिलाओं की निजता का उल्लंघन करते हुए मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहा था। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरोपी को पहले बीएनएसएस की धारा 170 के तहत निरुद्ध किया गया। बाद में साक्ष्यों के आधार पर उसे प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने उसका रिमांड प्राप्त किया। पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। मोबाइल में मिले वीडियो, डिजिटल डेटा तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने इस प्रकार के कितने वीडियो बनाए और कहीं उन्हें साझा तो नहीं किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं की निजता और सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनसहयोग से राजकीय विद्यालय में 5 किलोवाट सोलर प्लांट लगा

नोहर, (निसं)। यहां राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मेघाना तहसील नोहर ने जनसहयोग और नवाचार के बल पर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

विद्यालय परिसर में 5 किलोवाट क्षमता का ऑफ-ग्रिड सोलर प्लांट स्थापित कर विद्यालय ने बिजली पर निर्भरता कम करने के साथ-साथ सतत विकास और हरित ऊर्जा की दिशा में अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। विद्यालय की यह पहल अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय है। विद्यालय लंबे समय से बढते बिजली बिलों के कारण वित्तीय दबाव का सामना कर रहा था। सीमित संसाधनों के चलते शैक्षिणक गतिविधियों और आधारभूत सुविधाओं के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। इस चुनौती का स्थायी समाधान खोजते हुए अध्यापक कुलदीप सिंह बैनीवाल ने कनिष्ठ सहायक राजेराम के सहयोग से हमारा विद्यालय ऊर्जा में आत्मनिर्भर अभियान शुरू किया। सोशल मीडिया और जनसंपर्क के माध्यम से विद्यालय की आवश्यकता को समाज के सामने रखा, जिसे ग्रामीणों, भामाशाहों, पूर्व विद्यार्थियों और सरकारी सेवाओं में कार्यरत ग्रामवासियों का भरपूर समर्थन मिला। जनसहयोग से जुटाए 2.75 लाख रुपये, मई में लगा सोलर प्लांट अभियान के तहत पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भामाशाहों की समिति गठित की गई। सामूहिक प्रयासों से कुल 2 लाख 75 हजार रुपये की राशि एकत्रित हुई, जिससे मई, 2026 में विद्यालय परिसर में 5 किलोवाट क्षमता का ऑफ-ग्रिड सोलर प्लांट स्थापित किया गया। अब विद्यालय अपनी विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं कर रहा है।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान SDO साहब स्थान सुजानगढ
करणीदान विरूद्ध भवरदान वगै.
वाद बाबत घोषणा पत्र
वाद सं. 29सन् 14
उपखण्ड अधिकारी, सुजानगढ जिला चूरू (राज.)

बनाम लिछमा उर्फ लक्ष्मी पुत्री स्व. सुमेरदान पत्नी उमेदसिंह जाति चारण स्थान 4, नरबदाबास छापा हाल आबाद ग्राम गुमानपुरा तह. दातारामगढ सीकर ने आपके विरूद्ध घोषणा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 25 माह 06 सन् 2026 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 09 माह 06 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
सुजानगढ (चूरू)

सचिन पायलट जन-जन के लोकप्रिय नेता हैं : महनसरिया

चूरू (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की लोकप्रियता को लेकर मंगलवार को नई सड़क स्थित एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके राजनीतिक योगदान और जनाधार पर चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया ने कहा कि सचिन पायलट प्रदेश के ही नहीं बल्कि देश के लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं और आमजन के बीच पायलट की विशेष पहचान है तथा उनके प्रति लोगों में व्यापक उत्साह देखने को मिलता है। महनसरिया ने कहा कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में पायलट की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में कांग्रेस को मजबूत बनाने और संगठन के विस्तार में उनके प्रयासों का विशेष योगदान रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में विभिन्न राज्यों में कांग्रेस को सफलता दिलाने में भी पायलट ने सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट रमा पायलट एवं सचिन पायलट के राजनीतिक परिवार और जनसेवा की परंपरा का भी उल्लेख किया। महनसरिया ने कहा कि पायलट परिवार का लंबे समय से प्रदेश की राजनीति और जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती आगामी राजनीतिक रणनीति और जनसंपर्क अभियानों पर भी विचार विमर्श किया। इस दौरान कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में अमर सिंह दनेवा, आमीन खान, सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर मुंशी खान, कालूराम महर्षि, मोहन टेलर, मनोज महनसरिया, एडवोकेट महबूब कुरैशी, आबिद मलनस, योगेश शर्मा, ललित मेघवाल, सलीम पीए, लतीफ खान, परमेश्वर रेगर, सलीम मिस्त्री सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि (सप्तम पुण्यतिथि)

स्व. श्रीमती शकुन्तला देवी शर्मा

धर्मपत्नी **स्व. वैद्य श्री घनश्याम जी शर्मा** निवासी श्रीमाधोपुर की सप्तम पुण्यतिथि (10.06.2026) पर सभी परिवारजन की ओर से

शत् शत् नमन एवं सादर श्रद्धांजलि

कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत) एवं उमा शर्मा (से.नि.प्रधानाध्यापिका), नरेन्द्र शर्मा (से.नि.एयरफोर्स) एवं दीपशिखा, सत्यप्रकाश शर्मा (Govt. Supplier (M.E.S.) एवं ज्योति शर्मा (से.नि.प्रिंसिपल सी.सै.स्कूल) (पुत्र-पुत्रवधु), बीना एवं नरेन्द्र भारद्वाज (से.नि.भारतीय स्टेट बैंक) (पुत्री-दामाद), प्रशांत एवं प्रिया (पौत्र-पौत्रवधु) एवं समस्त परिवारजन

मो.नं.- 9829264308, 9829360428, 9462694531

घर से भागा था क्रिकेट का सपना लेकर, आईपीएल स्टार बन गांव लौटा कुलवंत

- गोवा के होटल में वेटर की नौकरी से लेकर गुजरात टाइटंस तक का सफर

झुंझुनूं, (निसं)। जिस युवक ने कभी सपनों की तलाश में घर छोडा था, आज वही आईपीएल का चर्चित चेहरा बनकर अपने गांव लौटा तो पूरा इलाका उसके स्वागत में उमड़ पड़ा। यह कहानी है झुंझुनूं जिले के मंडावा क्षेत्र स्थित चूडी अजीतगढ़ गांव के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया की, जिनके संघर्ष, समर्पण और सफलता ने हजारों युवाओं को नए सपने देखने का हौसला दिया है।

आईपीएल-2026 सीजन समाप्त होने के बाद जैसे ही गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत अपने पैतृक गांव पहुंचे, ग्रामीणों, खेल प्रेमियों और युवाओं ने उनका ऐतिहासिक स्वागत किया। एक साधारण किसान परिवार में जन्मे कुलवंत के पास न अत्याधुनिक सुविधाएं थीं और न ही कोई बड़ा सहारा। लेकिन क्रिकेट के प्रति जुनून ऐसा था कि उन्होंने अपने सपने को ही जीवन का लक्ष्य बना लिया।

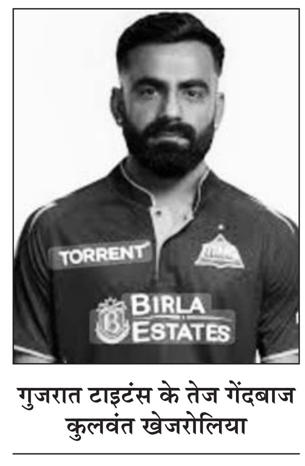

गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया

परिस्थितियां इतनी कठिन थी कि करियर बनाने की जिद में उन्हें घर तक छोड़ना पड़ा। संघर्ष के दिनों में उन्होंने गोवा के एक होटल में वेटर की नौकरी भी की, लेकिन क्रिकेट से नाता नहीं तोडा। आर्थिक चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बीच लगातार मेहनत करते हुए उन्होंने घरेलू क्रिकेट में पहचान बनाई और फिर आईपीएल तक का सफर तय कर लिया।

कुलवंत खेजरोलिया उन चुनिंदा खिलाडियों में शामिल हैं जिन्होंने आईपीएल की कई फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने वर्ष 2017 में मुंबई इंडियंस से आईपीएल करियर की शुरूआत की। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और वर्तमान में गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहे हैं।

लगातार अलग-अलग टीमों में अवसर मिलना उनकी प्रतिभा और गेंदबाजी क्षमता का प्रमाण माना जाता है।

आईपीएल में कुलवंत ने अब तक 8 मुकाबलों में 6 विकेट हासिल किए हैं। घरेलू टी-20 क्रिकेट में उनके नाम 26 मैचों में 27 विकेट दर्ज हैं, जबकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 27 मैचों में 73 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी है। लिस्ट-ए क्रिकेट में भी वे 75 विकेट हासिल कर चुके हैं। उनकी सबसे चर्चित उपलब्धियों में रणजी ट्रॉफी के एक मुकाबले में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने का रिकॉर्ड शामिल है।

'पंजीकृत संस्थाएं ऑनलाइन वार्षिक विवरण प्रस्तुत करें'

हनुमानगढ़, (निसं)। राजस्थान संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1958 के अंतर्गत पंजीकृत समस्त संस्थाओं को अधिनियम की धारा 04 एवं 04(क) के अनुसार प्रत्येक संस्था को अपनी वार्षिक आमसभा आयोजित होने के 14 दिवस के भीतर संबंधित सूचना राज सहकार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। सहकारी समितियों के उप रजिस्ट्रार अमीलाल सहारण ने बताया कि प्रस्तुत की जाने वाली सूचना में संस्था के मामलों का प्रबंधन करने वाली परिषद, समिति अथवा अन्य शासी निकाय के पदाधिकारियों, संचालकों, न्यासियों अथवा सदस्यों के नाम, पते, व्यवसाय एवं पद का विवरण शामिल होना चाहिए। इसके अतिरिक्त संस्था के सदस्यों एवं पदाधिकारियों में वर्ष के दौरान हुए सभी परिवर्तनों का विवरण भी प्रस्तुत करना आवश्यक है।

इस्तेहार हर खास व आम
अंतर्गत आदेश 01 नियम 08 सी पी सी
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश चिडावा
राजीव कटेवा बनाम हर आम व खास आदि
मुकदमा नं. 09/2025
प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम बाबत प्राप्त किये जाने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र

महोदय,

आवेदक ने इस न्यायालय में एक आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अधीन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक के पिता बलवीर कटेवा पुत्र श्री प्रभुदयाल कटेवा, निवासी बख्तावरपुरा, तहसील चिडावा, जिला झुंझुनू राज0 का देहान्त दिनांक 08.04.2024 को ग्राम बख्तावरपुरा में हो चुका है। मृतक बलवीर कटेवा व्यापार करते थे जिन्होने अपने नाम से बैंक ऑफ बडौदा शाखा हनुमानगढ में खाता सं. 51020100000095 खुलवा रखा था जिसमें 14,579/- रूपये जमा है जिनका भुगतान नहीं हो पा रहा है। इस कारण उक्त खाते में जमा राशि व अन्य समस्त हितलाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के हक में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की जरूरत है। इसलिए हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदक के हक में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी करने में किसी को कोई एतराज हो तो स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में दिनांक 08.07.2026 को उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा आवेदक के हक में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा व एतराज समाअत नहीं किए जावेंगे।

आज दिनांक 09/06/206 को जारी किया गया है।

न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, चिडावा (झुंझुनूं)

वैभव सूर्यवंशी - इस साल का सबसे ज्यादा देखने लायक खिलाड़ी। उन्हें भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुना गया है, जो इस श्रृंखला (न्यूजीलैंड के खिलाफ) के बाद होगी।
- माइक एथर्टन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, वैभव सूर्यवंशी के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

उमर आर्टन

सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन, जिन्हें फीफा विश्व कप में मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया था, को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में मैच संचालित करने वाले अपने देश के पहले रेफरी बनने का उनका सपना टूट गया। वर्ष 2025 में अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुने गए उमर आर्टन को मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने रोक दिया। सोमवार को जारी बयान में एजेंसी ने कहा कि आर्टन को नियमित प्रक्रिया के तहत अतिरिक्त जांच के लिए रोका गया था।

क्या आप जानते हैं ?... सफल गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू भारतीय फुटबॉल रिकॉर्ड के अनुसार देश के सबसे सफल गोलकीपरों में गिने जाते हैं।

रोहित-हार्दिक की टीम इंडिया में वापसी, अफगानिस्तान वनडे सीरीज के लिए फिट

नई दिल्ली, 9 जून। भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या ने अपनी फिटनेस जांच पास कर ली है और अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की उम्मीद है। इसकी सूत्रों ने पुष्टि की है। सूत्रों ने एएनआई को बताया कि हार्दिक और रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं; दोनों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और जल्द ही टीम में शामिल होंगे।

पहले की रिपोर्टों में बताया गया था कि श्रृंखला में उनकी भागीदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर थी। दोनों खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीज़न के दौरान मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करते हुए चोटिल हो गए थे। रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, जबकि हार्दिक पांड्या पीठ में लगातार होने वाले दर्द का इलाज करा रहे हैं, जिसके कारण वे आईपीएल 2026 के अंतिम चरणों से बाहर रहे थे।

दूसरी ओर, पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली आईपीएल 2026 के फाइनल में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। इस फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपना खिताब बरकरार रखा था। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कोहली की स्थिति के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विराट की स्थिति अभी ऐसी है कि फाइनल (आईपीएल 2026) में चोट लगने के बाद से एक सप्ताह से भी कम समय हुआ है, इसलिए डॉक्टर उनकी स्थिति का आकलन करेंगे। अभी तक हमें समय सीमा का पता नहीं है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि वह इंग्लैंड वनडे सीरीज के लिए फिट हो सकते हैं। हालांकि, यह कोई पक्की बात नहीं है, इसलिए इस पर पूरी तरह भरोसा न करें। फिजियो से अभी तक कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं मिली है।

यशस्वी जायसवाल को आगामी सीरीज के लिए वनडे टीम में कोहली की जगह चुना गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून को धर्मशाला में होगी, इसके बाद 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में मैच खेले जाएंगे।

भारत की वनडे टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे शामिल हैं।

सरबजोत, लक्ष्यिता, अखिल और साक्षी ने जीते स्वर्ण पदक

देहरादून/नई दिल्ली, 9 जून। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता सरबजोत सिंह, आर्मी की लक्ष्यिता, पूर्व विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अखिल शेओरान और महाराष्ट्र की साक्षी सुनील पाडेकर ने टी4 राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की त्रिशूल शूटिंग रेंज में आयोजित प्रतियोगिता में देश के शीर्ष निशानेबाजों के बीच कड़े मुकाबले देखने को मिले। पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सरबजोत सिंह ने 245.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आर्मी के अजेंद्र सिंह चौहान ने उन्हें कड़ी चुनौती दी, लेकिन 245.1 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। वहीं विश्व चैंपियन सम्राट राणा 221.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचीं लक्ष्यिता ने शानदार संयम का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा की सुरभि राव को मात्र 0.2 अंकों के अंतर से हराया।

तेज गेंदबाज सिराज आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला से बाहर, प्रसिद्ध कृष्णा को मौका

नई दिल्ली, 9 जून। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह गुजरात टाइटंस के साथी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को बताया कि मेडिकल टीम और टीम प्रबंधन के साथ चर्चा के बाद सिराज को आराम देने का फैसला लिया गया है। यह निर्णय एहतियाती कदम के तौर पर लिया गया है, ताकि लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले उन्हें पर्याप्त समय तक रिकवरी मिल सके। सिराज हाल ही में न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टेस्ट जीत का हिस्सा रहे थे। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए पहले ही टीम में जगह नहीं दी गई थी। दूसरी ओर, प्रसिद्ध कृष्णा को लगातार मौके दिए जा रहे हैं। वह अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। प्रसिद्ध अब तक भारत के लिए पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने आठ विकेट लिए हैं। हालांकि उनका इकॉनमी रेट 11 रहा है। उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुवाहाटी में भारत के लिए टी-20 मुकाबला खेला था। आईपीएल 2026 में भी दोनों खिलाड़ियों ने गुजरात टाइटंस के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिराज ने पूरे सत्र में 17 मैच खेले, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 12 मुकाबलों में हिस्सा लिया और टीम को फाइनल तक पहुंचाने में योगदान दिया। भारत का व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जारी है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के बाद टीम को इंग्लैंड में एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद जिम्बाब्वे, श्रीलंका और न्यूजीलैंड दौरे भी निर्धारित हैं। भारत आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को बेलफास्ट में दो टी20 मैच खेलेगा। इसके बाद 1 जुलाई से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला होगी।

आयरलैंड और इंग्लैंड टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

रॉयल और ब्रदर्स यूनाइटेड ने दर्ज की बड़ी जीत

जयपुर, 9 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वावधान में मंगलवार को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर के फुटबॉल मैदान पर दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग 2025-26 का शुभारंभ हुआ। इस लीग में प्रदेश की 8 टीमें भाग ले रही हैं और कुल 56 मैच खेले जाएंगे। अभी तक 20 मैच खेले जा चुके हैं यह प्रतियोगिता 1 जून से 27 जून, 2026 तक आयोजित की जा रही है। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि चार मुकाबले खेले गए।

पहला मुकाबला : रेड स्टोन फुटबॉल क्लब ने जयपुर एलीट को 1-0 से पराजित किया। रेड स्टोन की ओर से कृष्ण ने 40वें मिनट में विजयी गोल किया।

दूसरा मुकाबला : रॉयल फुटबॉल क्लब ने जयपुर बॉयज फुटबॉल क्लब को 5-1 से हराया। रॉयल की ओर से समर ने 9वें, अंशु ने 21वें और 45वें, मोहम्मद मुबीन ने 38वें तथा नंदीश ने 40वें मिनट में गोल किए। जयपुर बॉयज के लिए महेश ने 31वें मिनट में एकमात्र गोल किया।

तीसरा मुकाबला : ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल क्लब को 12-0 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। ब्रदर्स यूनाइटेड के लिए अब्बास ने 3, 4, 48 और 57वें मिनट में 4 गोल, नकुल ने 12, 21, 31 और 44वें मिनट में 4 गोल, जिशान ने 12 और 28वें मिनट में 2 गोल, मृदुल ने 17वें और दिव्यांशु ने 39वें मिनट में गोल किए।

चौथा मुकाबला : एएसएल फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबॉल स्कूल को 3-0 से पराजित किया। एएसएल के राजेंद्र ने 2, 38 और 59वें मिनट में हैट्रिक लगाई। आज के मैचों में जसवंत सिंह और हितेंद्र सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अरशद ने 49वें ओवर में पलटा मैच, भारत-ए ने श्रीलंका-ए पर दर्ज की रोमांचक जीत

दांबुला, 9 जून। जब जीत श्रीलंका ए की मुट्ठी में दिखाई दे रही थी, तभी भारतीय गेंदबाजों ने अविश्वसनीय वापसी करते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। आखिरी दो ओवरों में श्रीलंका ए को जीत के लिए केवल 10 रन चाहिए थे और उसके हाथ में चार विकेट थे, लेकिन टीम ने उसी दौरान अंतिम तीन विकेट गंवा दिए।

अरशद खान ने पहले विजयकांत वियासकांत को पगबाधा आउट किया, फिर मोहम्मद शिराज को गहरे क्षेत्र में कैच कराया, जबकि बीच में नॉन-स्ट्राइकर छोर पर 16 गेंदों में 23 रन बनाकर खेल रहे वानुजा सहान रन आउट हो गए। इस नाटकीय अंत के साथ भारत ए ने त्रिकोणीय श्रृंखला के अपने पहले मुकाबले में श्रीलंका ए को 8 रन से हरा दिया।

भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 277 रन बनाए। सारी निगाहें युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर थीं, जिन्होंने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहली ही गेंद पर चौका लगाकर शुरुआत की, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ और प्रियांश आर्य ने पारी संभाली। आर्य 53 रन की साझेदारी के दौरान रन आउट हुए।

कप्तान तिलक वर्मा ने शुरुआत में धीमी बल्लेबाजी की लेकिन बाद में लय पकड़ी और अर्धशतक पूरा किया। दूसरी ओर ऋतुराज गायकवाड़ ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जमाया। अंत में आयुष बदोनी और सूर्यांश शेडगे की तेज बल्लेबाजी ने भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

आईसीसी ने लॉर्ड्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को बताया असंतोषजनक

नई दिल्ली, 9 जून। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड-न्यूज़ीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट में इस्तेमाल की गई लॉर्ड्स की पिच तथा पाकिस्तान-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के लिए इस्तेमाल की गई लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को 'असंतोषजनक' करार दिया है। इसके साथ ही दोनों मैदानों को आईसीसी की पिच और आउटफील्ड निगरानी प्रक्रिया के तहत एक-एक डिमेरिट अंक दिया गया है। लॉर्ड्स टेस्ट के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और गद्दाफी स्टेडियम के मैच रेफरी ग्रेम ला ब्रॉय ने अपनी रिपोर्ट में अंपायरों और दोनों टीमों के कप्तानों की चिंताओं को दर्ज किया। लॉर्ड्स की पिच पर टिप्पणी करते हुए पाइक्रॉफ्ट ने कहा कि पूरे टेस्ट के दौरान गेंद में जरूरत से ज्यादा सीम मूवमेंट देखने को मिली और कई मौकों पर गेंद असामान्य रूप से नीचे रही। उन्होंने कहा, पूरे मुकाबले में उछाल लगातार समान नहीं रही।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता : उदयपुर-पाली जीती

जयपुर, 9 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में उदयपुर में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के पहले दिन उदयपुर व पाली टीमों ने जीत दर्ज की। उदयपुर के शिकारबाड़ी ग्राउंड पर खेल गए मैचों का परिणाम :- सवाई माधोपुर - पाली (पाली 166 रन से जीती), पाली पारी 227 /3 (20 ओवर), टीम के लिए उषा परेरिया72, मंजू देवी नाबाद 59, पविताबिश्नोई 44 व भमिका31 रन।सवाई माधोपुर पारी 61 आल आउट। पाली की गेंदबाज निकिता, रितिका 2 -2 विकेट। उदयपुर - बारां (उदयपुर 123 रन से जीती), उदयपुर पारी 212 /0, टीम के लिए अंशिका भंडारी नाबद108 व रिज़ा शेख नाबाद 90 रन। बारां पारी 89 /8, टीम के लिए अवनि जांगिड़ नाबाद 32 व कनक 22 रन। उदयपुर की गेंदबाज अंशिका भंडारी 6 /2, आदित्य मेनारिया 8 /2 व ऋतू लोढ़ा 22 /2 विकेट।

लगातार दूसरी बार बारिश बनी बाधा, श्रीलंका ने 23 साल बाद कैरेबियाई धरती पर जीती एकदिवसीय श्रृंखला

किंग्स्टन, 9 जून। सोमवार को लगातार दूसरे मुकाबले में बारिश ने खेल बिगाड़ दिया और वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच सबीना पार्क में खेला जाने वाला तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मुकाबला बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गया। इसके साथ ही श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला 1-0 से अपने नाम कर ली।

श्रृंखला के पहले मुकाबले में मिली 41 रन की जीत ने श्रीलंका को निर्णायक बढ़त दिला दी थी, जबकि अगले दोनों मुकाबले बारिश की भेंट चढ़ गए। मैच अधिकारियों ने कई बार मैदान का निरीक्षण किया, लेकिन क्यूरेटर से चर्चा के बाद तय किया गया कि निर्धारित समय सीमा तक 20 ओवर का मुकाबला शुरू कराना संभव नहीं होगा।

यह जीत श्रीलंका के लिए ऐतिहासिक रही क्योंकि टीम ने 23 साल बाद कैरेबियाई धरती पर एकदिवसीय श्रृंखला जीती है। इससे पहले श्रीलंका ने वर्ष 2003 में वेस्टइंडीज में एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम की थी।

नई जिम्मेदारी संभाल रहे मुख्य कोच गैरी कर्स्टन और नए कप्तान कुसल मेंडिस के लिए यह शानदार शुरुआत रही। हालांकि बारिश के कारण टीम को अधिक मैच अभ्यास का मौका नहीं मिल पाया। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के लिए यह परिणाम निराशाजनक रहा। टीम को वापसी का मौका नहीं मिला और उसे तीन वर्षों में घरेलू मैदान पर पहली एकदिवसीय श्रृंखला हार झेलनी पड़ी। इस हार का असर विश्व कप क्वालीफिकेशन की दौड़ पर भी पड़ सकता है। वेस्टइंडीज फिलहाल एकदिवसीय रैंकिंग में दसवें स्थान पर है और सीधे विश्व कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने वाली शीर्ष आठ टीमों से बाहर है।

राष्ट्रीय म्यूथाई चैम्पियनशिप में आरडीएस फाइट के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 9 जून। उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित इंदिरा गांधी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

स्टेडियम में 1 से 4 जून 2026 तक आयोजित 7वीं राष्ट्रीय युवा म्यूथाई चैंपियनशिप में आरडीएस फाइट क्लब के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। आरडीएस फाइट क्लब से धनिष्ठा अग्रवाल, प्रियांश सुखाड़िया, मृगांक सिंह एवं दक्ष कुमावत का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ था। क्लब के कोच रविन्द्र नागर ने बताया कि धनिष्ठा अग्रवाल, प्रियांश सुखाड़िया एवं मृगांक सिंह ने अपने-अपने वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में राजस्थान से कुल 39 खिलाड़ियों का चयन हुआ था, जिनमें राजस्थान टीम ने 9 स्वर्ण, 2 रजत एवं 14 कांस्य पदक जीतकर शानदार उपलब्धि दर्ज की। खिलाड़ियों की इस सफलता पर खेल प्रेमियों एवं परिजनों में खुशी का माहौल है। कोच रविन्द्र नागर ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि यह उपलब्धि आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी।

66वां केंद्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर जयपुर में आज से

160 बालक व 135 बालिकाओं सहित 295 खिलाड़ी होंगे शिविर में

जयपुर, 9 जून। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के तत्वावधान में सवाई मानसिंह स्टेडियम में बुधवार शाम 4 से आरम्भ होने वाले 66वे केन्द्रीय आवासीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर के मुख्य अतिथि युवा मामले एवं खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड होंगे। समारोह की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री प्रवीण गुप्ता करेंगे।प्रतिवर्ष आयोजित किये जाने वाले इस शिविर में 160 बालक और 135 बालिकाओं सहित कुल 295 खिलाडी भाग लेगें। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में केन्द्रीय खेलकूद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 जून से 30 जून तक किया जायेगा। इसमें 14 खेलों टेबल-टेनिस, कबड्डी, साईक्लिंग, खो-खो, जूडो, हॉकी, जिम्नास्टिक, कुश्ती, बैडमिंटन, फुटबाल, वुशू, क्रिकेट, भारोत्तोलन और तैराकी में शिविर आयोजित होगा। उन्होने बताया कि शिविर के निदेशक रामनिवास, कुश्ती प्रशिक्षक, अजमेर को बनाया गया है। फुटबाल प्रशिक्षक व जोधपुर जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के प्रभारी भरत गुर्जर को सहायक निदेशक नियुक्त किया गया है। जबकि अनिरूद्ध जगधारी, खेल प्रबन्धक को शिविर का समन्वयक नियुक्त किया गया है।

भरतपुर डीसीए सचिव के विरुद्ध जिले के खिलाड़ियों ने आरसीए को दी गंभीर शिकायतें : डॉ. मोहित

जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में आयोजित होगा राज्य सीनियर वीमेन प्रतियोगिता का डे-नाईट फाइनल मुकाबला

जयपुर, 9 जून। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अध्यक्षता में आज आरसीए एडहॉक कमेटी की मीटिंग आरसीएकार्यालय, आरसीए अकादमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम पर संपन्न हुई। मीटिंग में संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, आशीष तिवाड़ी, धनञ्जय सिंह खींवसर, सुशील जैन, अरिष्ट सिंघवी मौजूद रहे।

संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादवके अनुसारराज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मावखेल मंत्री कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड़ ने राजस्थान क्रिकेट संघ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने व पूर्ण पारदर्शी, भ्रष्टाचार से मुक्त खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की जो जिम्मेदारी नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी को दी है। उसे हम सभी अपने अथक प्रयासों से न केवल पूर्ण करेंगे साथ ही राज्य के युवा खिलाडियों के लिए सुदृढ़, उच्च स्तरीय व विकसित खेल ढांचा तैयार करने पर हमारी पूरी एडहॉक कमेटी गहन प्रयास कर रही है।

संयोजक ने बताया कि हमारी कमेटी को भरतपुर जिले के विभिन्न आयुवर्ग के खिलाडियों द्वारा भरतपुर जिला क्रिकेट संघ सचिव द्वारा कथित भ्रष्टाचार, अनियमितताएं, चयन में भेदभाव, खिलाडियों के टीए -डीए में गड़बड़ी, बिना एनओसी के बाहरी खिलाडियों को जिले की टीम से खिलाने, आरसीए द्वारा सभी पूर्व बैन को समाप्त करने के बाद भी खिलाडियों को चयन ट्रायल में भाग लेने से वंचित करने की हटधर्मिता, खिलाडियों को धमकाने, दुर्व्यवहार जैसी गंभीर शिकायतें प्राप्त हुए है जिसको देखते हुए आरसीए एडहॉक कमेटी ने सर्वसम्मति से आज भरतपुर जिला क्रिकेट संघ को निलंबित करते हुए सभी गंभीर आरोपों के जाँच करने का निर्णय लिया है व जाँच जारी रहने तक भरतपुर जिला क्रिकेट संघ की सभी खेल गतिविधियों व अधिकारिक कार्यों की जिम्मेदारी आरसीए द्वारा जारी रखी जाएँगी।

संयोजक के अनुसार आरसीए द्वारा राज्य की युवा महिला खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिएनई अंडर 19 वीमेन ट्रॉफी (टैलेंट हंट)आयोजित करने का फैसला लिया है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य की युवा महिला खिलाडियों की प्रतिभा को पहचान कर उन्हें उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध करा उनको विकसित खेल वातावरण उपलब्ध कराकर उनकी प्रतिभा को बेहतर अवसर उपलब्ध करना है।

आशीष तिवाड़ी, सदस्य एडहॉक कमेटीके अनुसार जल्द आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा जयपुर के चौंप स्थित आरसीए के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के सहयोगी वेदांता ग्रुप, बैंक, अन्य संस्थाओं तथा उदयपुर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम हेतु अडाणी ग्रुप सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं से सम्पर्क कर जयपुर, उदयपुर में आरसीए स्टेडियम के निर्माण की प्रक्रिया को धरातल में लाने के हर स्तर पर कार्य किया जायेगा. जयपुर, उदयपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम की निर्माण से क्षेत्र के युवा क्रिकेट खिलाडियों को प्रोत्साहन मिलेगा व खेल का विकास होगा।

धनञ्जय सिंह खींवसर, सदस्य, एडहॉक कमेटीने बताया की जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम खेल मैदान को आरसीए एडहॉक कमेटी के निर्देशों के अनुसार आरसीए ग्राउंड स्टाफ ने आरसीए प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु पूर्णरूप से तैयार कर लिया है व हमारी कमेटी ने राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन क्रिकेट प्रतियोगिता का डे -नाईट फाइनल मैच बरकतुल्लाह खान स्टेडियम, जोधपुर में आयोजित करने का निर्णय लिया है।

सुशील जैन, सदस्य आरसीए एडहॉक कमेटी के अनुसार आगामी 26 जून को आयोजित होने वाली आरसीए की वार्षिक साधारण सभा के आयोजन की विभिन्न आवश्यकताओं व बिंदुओं पर मीटिंग में चर्चा हुई व एजीएम आयोजन की सभी व्यवस्थाओं के लिए आरसीए कार्यालय को विशेष निर्देश दिए गए। अरिष्ट सिंघवी, सदस्य, एडहॉक कमेटीके अनुसार राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन प्रतियोगिता के अन्य ग्रुप के मैचों का आयोजन कल दिनांक 10 जून से अन्य जिला केंद्रों पर भी किया जायेगा।

कार्यालय नगर पालिका राजगढ़ (राज.)

क्रमांक : — 1535 दिनांक :— 04.06.2026

Notice Inviting Bid

Bids for NGO/FIRM/CON. are invited from interested bidders upto 11:00AM (time) 04-06-2026 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement in Rs 20.37LAKH

NIB Code-	UBN Code-
DLB2627A2639	DLB2627WSOB06554

राज.संवाद/सी/26/4395 Executive Officer

कार्यालय नगरपालिका बाली (पाली) राज.

Tel.- (02938) 222045 E-mail : municpalboardbali@yahoo.in

क्रमांक : न.पा.बा./2026–27/1024 दिनांक : 04.06.2026

-:: Notice Inviting Bid MB-05/2026-27::-

Bid for work (01 Nos 15.00 lacs) of subject matters of procurement are invited from interested bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in) or https://eproc.rajasthan.gov.in/) of the state departmental website.

क्र.सं	कार्य का नाम	UBN NO.
1	Consultancy work for preparation of DPR for development of Auditorium in bali	DLB2627SLRC06569

राज.संवाद/सी/26/4402 अधिशाषी अधिकारी

URBAN IMPROVEMENT TRUST, BALOTRA (RAJ.)

File No. :- UIT/BLT/Accounts/2026-27/204 Date :- 05/06/2026

Notice Inviting Bid 05/2026-27

Bids for Civil Works are invited from interested bidders up to 06.00 PM 19.06.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp and https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is as mentioned below.

NIB Code : UBB2627A0007

Sr. No.	UBN No.	Tender ID	Bid Amount
1.	UBB2627WSOB00010	2026_UITBL_565031_1	29.98 lakh

Executive Engineer
UIT, Balotra

Raj.Samwad/C/26/4444

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/6577 - 88 दिनांक :- 03/06/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 17/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 03 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, https://bda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संषोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें। UBN विवरण :- WAQ2627WSOB00055, WAQ2627WSRC00056, WAQ2627WSOB00057

राज.संवाद/सी/26/4419 अधिशाषी अभियन्ता

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/76 - 78 Date :- 05/06/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 20/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 94.73 लाख (04 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	06.06.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 23.06.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	06.06.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 23.06.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	24.06.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00074 To ITU2627WSOB00077

अधिशाषी अभियन्ता - जल
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/26/4418

कार्यालय नगरपालिका तखातगढ़ जिला पाली (राज.)

क्रमांक/न.पा.त./सफाई/2026–27/949 दिनांक 05.06.2026

-: ई निविदा सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका तखतगढ में वित्तिय वर्ष 2026–2027 में नगरपालिका तखतगढ के वार्ड संख्या 01 से 12 में घर घर कचरा संग्रहण कार्य हेतु वार्षिक निविदा खुली बोली प्रद्वति द्वारा ई-निविदा आमत्रिंत की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विस्तृत विवरण WWW.SPPP.Rajasthan.gov.in और WWW.Eproc.Rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No. - DLB2627A2713

क्र. सं.	निविदा कार्य	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	UBN
1.	नगरपालिका तखतगढ के वार्ड संख्या 01 से 12 में घर घर कचरा संग्रहण कार्य वार्षिक दर अनुबंध	18.00 लाख	36000/-	1000/-	500/-	DLB2627SLOB06762

Important Date

S.N.	Event	Date & Time
1.	Document Download/Sells Started Date & Time	06-06-2026 09:00 am
2.	Last Date and time of Payment of Tender Fee, Bid Security & MDRISL Processing Fees	15-06-2026 05:00 pm
3.	Last Date and Time of Bid Submission	15-06-2026 05:00 pm
4.	Opening of Bid	16-06-2026 09:00 am

राज.संवाद/सी/26/4408 अधिशाषी अधिकारी

प्रातः चार बजे सम्पन्न हुई मुख्यमंत्री भजनलाल की सप्तकोसी गोवर्धन परिक्रमा

मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी मंदिर में संतों, स्थानीय नागरिकों व श्रद्धालुओं को स्वयं प्रसादी वितरित की

डीग/जयपुर, 9 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को गिरिराज धरण (गोवर्धन पर्वत) की लगभग 21 किलोमीटर की परिक्रमा भक्तिभाव के साथ संपन्न की। अपने दो दिवसीय डीग प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने सपत्नीक पूंछरी का लौठा स्थित श्रीनाथ जी के दर्शन किए। साथ ही, उन्होंने मुकुट मुखारविंद मंदिर की तलहटी पर दुग्ध एवं जलाभिषेक कर गिरिराज जी की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की निरंतर खुशहाली व सुख-समृद्धि के लिए मंगलकामना की।

इसके पश्चात, मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी मंदिर परिसर में उपस्थित संतों, स्थानीय नागरिकों और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को अपने हाथों से प्रसादी वितरित की। उन्होंने इस दौरान श्रद्धालुओं से आत्मीय संवाद कर यात्रा के दौरान मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने सोमवार शाम को सप्तकोसीय परिक्रमा प्रारंभ की थी, जो मंगलवार सुबह लगभग 4 बजे संपन्न हुई। उन्होंने पूंछरी का लौठा में आमजन से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को गिरिराज धरण की परिक्रमा संपन्न की और डीग में पूंछरी का लौठा स्थित श्रीनाथ जी के दर्शन किए।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डीग प्रवास के दौरान भरतपुर व डीग जिले के अधिकारियों के साथ बैठक में विकास कार्यों पर चर्चा की।**

मुख्यमंत्री ने भरतपुर व डीग जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र के विकास कार्यों पर चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक डॉ. शैलेष सिंह व बहादुर सिंह कोली सहित, जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

साज़िशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनियोजित साज़िश जैसी लगती है। उन्होंने कहा, "जो कुछ हुआ, मुझे लगता है कि वह एक साज़िश थी। एआईसीसी के पर्यवेक्षक अचानक पहुंचे, पूरा घटनाक्रम एक तमाशे में बदल गया और अंत में मेरी बदनामी हुई।" गहलोत के इस बयान के बाद यह स्पष्ट नहीं है कि वे साज़िश का आरोप किस पर लगा रहे हैं। क्या उनका इशारा राहुल गांधी की ओर है, या एआईसीसी पर्यवेक्षकों - मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन, या पार्टी संगठन के तत्कालीन प्रभारी नेताओं की ओर? जानकार सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात का समय न मिल पाने से भी अधिक चिंता गहलोत को इस बात की है कि कहीं सचिन पायलट की राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में वापसी न हो जाए। यदि सचिन पायलट वर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की जगह लेते हैं, जो लगभग छह वर्ष से इस पद पर हैं, तो 49 वर्षीय पायलट को नवंबर-दिसंबर 2028 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद का प्रमुख दावेदार माना जाएगा।

खान सर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 30 जून को होगी।

सचिन पायलट आज सकरघटा गाँव में राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण करेंगे

पाँच बीघा में लगे पंडाल में हो रहे किसान सम्मेलन में 50 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है

हिण्डौन सिटी, 9 जून(निसं)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट बुधवार 10 जून को करौली जिले के मासलपुर क्षेत्र स्थित सकरघटा गांव पहुंचेंगे। यहां वे अपने पिता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं किसान नेता राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण करेंगे तथा विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

महवा रोड स्थित वृंदावन रिसोर्ट में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। पीसीसी सदस्य शिवप्रताप हरसाना तथा कांग्रेस नेता नरेश गुर्जर ने बताया कि सचिन पायलट बुधवार सुबह लगभग साढ़े नौ बजे रेल मार्ग से हिण्डौन रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे सड़क मार्ग से सकरघटा गांव के लिए रवाना होंगे, जहां प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम और किसान सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

किसान सम्मेलन में जिले के अलावा, भरतपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, धौलपुर तथा आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में किसानों और कांग्रेस समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। सम्मेलन स्थल पर लगभग पांच बीघा क्षेत्र में विशाल पांडाल तैयार किया गया है, जिसमें 50 हजार से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा पेयजल, चिकित्सा सहायता, पार्किंग, सुरक्षा, यातायात नियंत्रण तथा कार्यकर्ताओं के स्वागत-सत्कार की विशेष व्यवस्थाएं भी की गई हैं। मंगलवार को कांग्रेस नेताओं ने सकरघटा स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। नेताओं ने दावा किया कि यह कार्यक्रम क्षेत्र के सबसे बड़े किसान सम्मेलनों में से एक होगा।

राज्यसभा में बहुमत मिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। यदि ऐसा होता है तो लोकसभा में एनडीए की संख्या 300 के पार जा सकती है। भाजपा नेतृत्व को यह भी उम्मीद है कि राज्यसभा में मौजूद टीएमसी सांसद भी इसी राह पर चल सकते हैं और भाजपा का समर्थन कर सकते हैं। वर्तमान में टीएमसी के लगभग 16 राज्यसभा सदस्य हैं।

18 जून को 24 नियमित रिक्तियों तथा 2 उपचुनावों सहित, कुल 26 सीटों के लिए मतदान होगा। इनमें से आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में 4-4 सीटें, मध्य प्रदेश और राजस्थान में 3-3 सीटें, झारखंड में 2 सीटें तथा अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और मिजोरम में 1-1 सीट, तथा महाराष्ट्र और तमिलनाडु में 1-1 उपचुनाव शामिल हैं। कुल मिलाकर अनुमान है कि एनडीए लगभग 17 सीटें जीत सकता है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के खाते में लगभग 5 सीटें जा सकती हैं। शेष सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवार विजयी हो सकते हैं।

ममता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूरी रेड ड्रामे से भरी थी। पार्टी के एक सदस्य एस. चक्रवर्ती ने प्रवेश द्वार पर खड़े होकर कहा कि वे सीआईडी टीम को परिसर में प्रवेश नहीं करने देंगे। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनके पास सीआईडी को रोकने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। कहा गया कि जालसाजी मामले में हस्ताक्षरों की तुलना करने के लिए मूल प्रस्ताव-पुस्तिका बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि यह पार्टी कार्यालय में नहीं मिली और सीआईडी बिना मूल दस्तावेज़ के ही वापस आ गई। इस बीच, तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता और सॉल्ट लेक सिटी के पूर्व मेयर को कथित उगाही और धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि उन्होंने क्षेत्र के व्यापारियों और अन्य लोगों से कई करोड़ रुपये वसूले थे।

भारत ने पहली बार अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(ऑपरेशनली डिप्लॉयड) श्रेणी में रखा गया है।

भूमिगत मिसाइल साइलो और नई परमाणु पनडुब्बियों में तत्काल प्रक्षेपण के लिए तैयार परमाणु हथियारों की तैनाती भारत की बढ़ी हुई सैन्य तत्परता का संकेत देती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 12 नए तैनात वॉरहैड इस बात का पहला उदाहरण हैं कि भारत ने परमाणु वॉरहैड को उनके प्रक्षेपण साधनों के साथ जोड़ा है या उन्हें संचालनात्मक बलों वाले ठिकानों पर रखा है। इससे परमाणु हथियारों को अलग-अलग भंडारण सुविधाओं में रखने की उसकी दशकों पुरानी नीति में बदलाव दिखाई देता है।

एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पिछले वर्ष भारत के परमाणु हथियार भंडार में मामूली वृद्धि हुई। साथ ही भारत ने एक बैलिस्टिक मिसाइल परमाणु पनडुब्बी (एसएसबीएन) पर कुछ वॉरहैड तैनात किए और प्रतिरोधक (डेटरैन्स) गश्त भी संचालित किया।

सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार: "जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु हथियारों का बढ़ता हुआ भंडार होने का अनुमान था, जो पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी वृद्धि दर्शाता है। ये हथियार विमान, भूमि-आधारित मिसाइलों और एसएसबीएन से युक्त एक विकसित हो रही परमाणु त्रयी (न्यूक्लियर ट्रइएड) को सौंपे गए थे।"

रिपोर्ट में आगे कहा गया है: "लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि भारत शांतिकाल में अपने परमाणु वॉरहैड्स को तैनात प्रक्षेपण तन्त्रों से अलग रखता है। लेकिन, मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्र में प्रतिरोधक गश्त संचालित करने जैसे हालिया कदम संकेत देते हैं कि भारत शांतिकाल में कुछ वॉरहैड्स को उनके प्रक्षेपकों (लॉन्चर्स) के साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।"

परमाणु हथियारों के संबंध में भारत पहले उपयोग न करने की नीति का पालन करता है। इसके तहत, भारत यह प्रतिबद्धता जताता है कि वह किसी भी परमाणु हमले की शुरुआत नहीं करेगा। परमाणु हथियारों का उपयोग केवल भारतीय क्षेत्र या दुनिया में कहीं भी तैनात भारतीय सैन्य बलों पर हुए परमाणु हमले के जवाब में ही किया जाएगा। भारत एक सीमित लेकिन प्रभावी परमाणु शस्त्रागार बनाए रखता है। इसकी क्षमता का उद्देश्य केवल संभावित आक्रांताओं को रोकना है, न कि हथियारों की दौड़ में शामिल होना।

खो नागोरियान में अवैध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(18) पुत्र नासिर खान निवासी रहीम नगर तथा नासिर खान (25) पुत्र मोहम्मद अली निवासी रहीम नगर की मौत हो गई। एक अन्य मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि अन्य ने एसएमएस एवं जेएनयू अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में मारे गये बिलाल खान और आजीम खान सगे भाई थे। परिवार के अनुसार, आजीम फैक्ट्री में काम करता था। मंगलवार को बिलाल अपने छोटे भाई आजीम से मिलने और फैक्ट्री देखने गया था। दोनों बातचीत कर रहे थे कि तभी विस्फोट हो गया। आग की चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और बाद में उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार खोह नागोरियान थाने से मात्र एक किलोमीटर दूरी पर स्थित 20 गुणा 25 फीट (करीब 55.5 वर्ग गज) के मकान में पिछले दो वर्षों से अवैध रूप से पटाखों की पैकिंग और भंडारण का कार्य चल रहा था। यहां पटाखों का गोदाम भी बनाया गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे के समय परिसर में लगभग 50 किलो बारूद रखा हुआ था।

एमपी में राज्यसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपत्ति पर मंगलवार शाम को रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने यह फैसला लिया। इसके बाद राज्यसभा की तीसरी सीट का चुनावी समीकरण बदल गया है और भाजपा के तीनों उम्मीदवारों के निर्विरोध निर्वाचित होने की संभावना बढ़ गई है। दरअसल, मीनाक्षी नटराजन के नामांकन के खिलाफ भाजपा ने औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600